RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 159 , बुधवार, 22 जुलाई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

ईशा देओल ने युवा कोलोरेक्टल सर्जन डॉ. विश्वपाल विश्वेंदु को किया सम्मानित, मिला... 03

रामगढ़वा में डीएम-एसपी ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं, जेई को लगाई फटकार; तीन ... 04

रियलिटी शो दिखाते है कलाकारों का असली चेहरा: ईशा सिंह 07

झमाझम बारिश से बदला 'मौसम' का मिजाज

- फिर से ऐक्टिव हुआ मानसून,झूम-झूम कर बरसे बदरा
- जम्मू-कश्मीर में बाढ़ से बुरे हाल,दो दिन में 23 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश से हालात गंभीर बने हुए हैं। पिछले दो दिनों में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 23 हो गई है। पुंछ और राजौरी के बाढ़ प्रभावित इलाकों में सात लोग अब भी लापता हैं। लगातार बारिश के कारण राहत और बचाव अभियान प्रभावित हुआ।

सोमवार को भारी बारिश के बाद असम के गुवाहाटी में लैंडस्लाइड हुई। इसके बाद नेशनल हाईवे-715 का एक हिस्सा पानी में डूब गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य के 12 जिलों में 1.70 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। एमपी के लगभग 90 फीसदी हिस्से में अगले 4 दिन यानी 23 जुलाई तक हल्की बारिश का दौर बना रहेगा। राजस्थान में दो हफ्ते बाद मानसून एक बार फिर ऐक्टिव होने से जयपुर समेत 33 जिलों में बारिश का अलर्ट है।

हिमाचल में बादल फटने से तबाही, बह गए 6 घर

हिमाचल प्रदेश में जिला कांगड़ा के शाहपुर क्षेत्र में भारी बारिश ने तबाही मचाई है। शाहपुर की बोह घाटी के स्पैडा और गढ़गून गांव में बादल फटने से आई बाढ़ में छह मकान बह गए हैं। प्रशासन की टीम ने सूचना मिलते ही प्रभावित क्षेत्र का रुख कर लिया। बताया जा रहा है लोगों ने भागकर जान बचाई। पहाड़ी पर धमाका होने के बाद अचानक बाढ़ और मलबा आ गया, जो छह मकानों को अपने साथ बहाकर ले गया।

एसडीआरएफ के पहुंचने के बाद राहत एवं बचाव कार्य शुरू होगा। कई घरों का नामोनिशान नहीं बचा है। बाढ़ के बाद आसपास के लोग सहमे हुए हैं। पहाड़ी से सटे क्षेत्र में जिनके घर हैं, वह मकान छोड़कर बाहर आ गए हैं। लोग घरों में जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। प्रशासन ने एसडीआरएफ को बुलाया है। प्रशासन ने स्थिति को गंभीरता से लेते हुए राहत और बचाव कार्य तेज कर दिए हैं।

यूपी की 50 हजार छात्राओं को मुफ्त में मिलेगी स्कूटी

- रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना के तहत योगी सरकार का बड़ा तोहफा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की छात्राओं को योगी कैबिनेट से बड़ा तोहफा मिला है। मेधावी छात्राओं को परीक्षा में अच्छा करने के लिए फ्री स्कूटी देने वाली स्कीम को मंजूरी दे दी गई है। रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना को कैबिनेट की बैठक में हरी झंडी दिखा दी गई है। इस योजना के तहत 2025-26 के शैक्षणिक सत्र में ग्रेजुएशन में हर कॉलेज और यूनिवर्सिटी की टॉप-5 छात्राओं को सरकार की ओर से मुफ्त में स्कूटी दी जाएगी। इस योजना के अंतर्गत सभी सरकारी, प्राइवेट, सेल्फ फंडिंग या अन्य मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटीज को शामिल किया गया है। इन कॉलेज-यूनिवर्सिटीज में पढ़ने वाली छात्राएं अगर अपने कॉलेज या यूनिवर्सिटी में टॉप-5 में आती हैं तो उन्हें फ्री में स्कूटी दी जाएगी। कैबिनेट मीटिंग में कुल 16 बड़े फैसले हुए, जिनमें से एक स्कूटी योजना को लेकर था।

नेपाल में 1 रुपए के सिक्के से हटाया विवादित नक्शा

बालेन शाह ने लिया फैसला, बचा बवाल, देश में घिरे

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल की बालेन शाह सरकार के नेपाल के नए डिजाइन वाले 1 रुपये के सिक्के से विवादित नक्शे को हटाने पर बवाल मच गया है। नेपाल की पूर्ववर्ती केपी ओली सरकार ने चीन के इशारे पर यह विवादित नक्शा जारी किया था जिसमें भारत के लिंपियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख को नेपाली इलाका दिखाया गया था। इस नक्शे को लेकर भारत ने कड़ा विरोध दर्ज कराया था। अब बालेन शाह सरकार ने नेपाल के 1 रुपये के सिक्के पर से विवादित नक्शे की जगह पर एक बौद्ध मठ की तस्वीर को छापा है। इसे जहां भारत की बड़ी जीत की तरह से देखा जा रहा है, वहीं इसको लेकर नेपाल में विवाद शुरू हो गया है। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के नेता भीम रावल ने बालेन सरकार के नए राजनीतिक नक्शे को हटाने के फैसले की कड़ी निंदा की है। रावल ने कहा कि यह नेपाल की क्षेत्रीय संप्रभुता को बहुत बड़ा झटका है। उन्होंने मांग की बालेन सरकार और उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी इस मामले पर तत्काल अपनी स्थिति को स्पष्ट करे। रावल ने कहा, अगर बालेन सरकार ने 1 रुपये के सिक्के से लिंपियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख वाले नेपाल के नक्शे को हटाने और उसकी जगह पर मठ की तस्वीर को लगा दिया।

अन्ना हजारे प्रदर्शन में छात्रों पर लाठीचार्ज से नाराज

- सरकार से कहा-सभी मुद्दे सहमति से सुलझाए जा सकते हैं

मुंबई (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर राजधानी दिल्ली में सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी झड़प हो गई। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन जंतर-मंतर से संसद तक निकाले गए मार्च को रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग की। जब प्रदर्शनकारी आगे बढ़ने लगे तो पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया। इस घटना के बाद देशभर की कई विपक्षी पार्टियों ने सरकार की आलोचना की। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन पर प्रक्रिया दी है। अन्ना हजार ने छात्रों पर किए गए लाठीचार्ज पर नाराजगी जताते हुए बड़ी बात कही है। छात्रों पर हुए लाठीचार्ज पर प्रतिक्रिया देते हुए अन्ना हजारे ने कहा कि उन्हें यह जानकारी नहीं है।

छह देश भारत से खरीद सकते हैं अस्त्र मिसाइल

- 'मेड इन इंडिया' का बजा डंका! 2026 में बढ़ा रक्षा निर्यात

सऊदी अरब, इंडोनेशिया और आर्मेनिया से बातचीत है जारी

रियाद/येरेवान/नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध में अपनी क्षमता साबित कर चुकी भारत की अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल में आर्मेनिया और सऊदी अरब समेत 6 देशों ने दिलचस्पी दिखाई है। यह मिसाइल पहले से ही एसयू-30 एमकेआई फाइटर जेट्स के साथ इंटीग्रेटेड है और इसके निर्यात को लेकर बातचीत की जा रही है। इस मिसाइल को बेचने की बात उस वक्त हो रही है जब वित्त वर्ष 2026 में भारत का रक्षा निर्यात बढ़कर 38,424 करोड़ रुपया हो।

- **आर्मेनेया बन चुका है भारत का बड़ा रक्षा खरीददार-** आर्मेनिया पहले ही भारतीय हथियार खरीदने वाले शीर्ष देशों में शामिल हो चुका है। वो पहले ही आकाश सरफेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम, पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर, स्वाति वेपन-लोकेटिंग रडार, 155एमएम एडवांस्ड टोव्ड आर्टिलरी गन सिस्टम होवित्जर और एंटी-ड्रोन सिस्टम खरीद चुका है।

'अस्त्र' मिसाइल रचेगी नया इतिहास

भारत और इंडोनेशिया के बीच अस्त्र मिसाइल की संख्या और कीमत को लेकर आगे बात की जाएगी। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि आर्मेनिया अस्त्र मिसाइलें हासिल करने के लिए भारत के साथ बातचीत के एक एडवांस स्टेज में है। इन मिसाइलों को भारतीय वायुसेना के एसयू-30एमकेआई लड़ाकू विमानों से ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ सफल इस्तेमाल किया गया था। आर्मेनिया और सऊदी अरब के साथ बातचीत इस हथियार प्रणाली को उनके विमानों में इंटीग्रेट करने पर केंद्रित है। आर्मेनिया ने एसयू-30एमआई लड़ाकू विमानों में अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल प्रणाली को एकीकृत करने की बात की है।

पेपर लीक मुद्दे पर स्पीकर बिरला से मिले राहुल गांधी

- कहा-लोकसभा में चर्चा हो,भारी हंगामे से नहीं हो सकी चर्चा
- खड़गे बोले-सदन में बोलने नहीं दिया जा रहा,चिट्ठी लिखी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही बुधवार तक स्थगित कर दी गई। इसके पहले मंगलवार सुबह 11 बजे जैसे ही दोनों सदनों में कार्यवाही शुरू हुई विपक्ष ने नीट पेपर लीक पर चर्चा की मांग की, प्लेकार्ड दिखाए और नारेबाजी की। भारी हंगामे के चलते दोनों सदनों की कार्यवाही पहले 12 बजे तक और इसके बाद दोपहर 2 बजे तक स्थगित की गई थी। सदन के बाहर आकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हमें संसद में बोलने नहीं दिया जा रहा है, लोकतंत्र में ऐसा करना गलत है। वहीं, नेता विपक्ष राहुल गांधी ने भी लोकसभा स्पीकर से मुलाकात की। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल और सैयद नासिर हुसैन ने राज्यसभा में नियम 267 के तहत काम रोकने का नोटिस दिया है। उन्होंने नीट 2026 पेपर लीक मामले पर तुरंत चर्चा कराने की मांग की है। वहीं, इससे पहले संसद भवन में एनडीए संसदीय दल की बैठक हुई।

पंजाब के किसानों का दिल्ली कूच स्थगित

- दो मांगों पर सहमति बनी,हरियाणा में बॉर्डर हुआ सील
- किसान नेता हाउस अरेस्ट

गुरुग्राम (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी के संसद घेराव और किसानों की प्रस्तावित महापंचायत को देखते हुए हरियाणा के पंजाब, दिल्ली और यूपी से लगे बॉर्डरों पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। कई जिलों में किसान नेताओं और सीजेपी समर्थकों को हाउस अरेस्ट या डिटेन किया गया है। अमेरिका-भारत फ्री ट्रेड डील के विरोध में पंजाब के किसानों ने मंगलवार को दिल्ली के किसान घाट कूच का ऐलान किया था, लेकिन शंभू और खनौरी बॉर्डर पर पुलिस की सख्ती तथा कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के साथ बैठक के बाद उन्होंने आंदोलन फिलहाल स्थगित कर दिया। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश सचिव दिलबाग सिंह दिराजके ने बताया कि हिरासत में लिए गए किसान नेताओं की रिहाई और केंद्र सरकार से वार्ता कराने पर सहमति बनने के बाद धरना स्थगित करने का फैसला लिया गया। हालांकि, हरियाणा में अभी भी किसान दिल्ली कूच पर अड़े हुए हैं।

छह एमपी के शिवसेना में विलय की मंजूरी का विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के 6 सांसदों की एकनाथ शिंदे की शिवसेना में विलय के लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के फैसले को चुनौती देने के लिए पार्टी मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई। पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई कि इस मामले पर तत्काल सुनवाई की अनुमति दी जाए। हालांकि, सीजेआई की अगुवाई वाली बेंच ने ऐसा कोई आश्वासन नहीं दिया। रिपोर्ट के मुताबिक शिवसेना (यूबीटी) की ओर से सीनियर एडवोकेट देवदत्त कामत ने इस मामले को भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत के सामने तत्काल सुनवाई के लिए पेश किया।

सुप्रीम कोर्ट ने सोनम को दी सरेंडर की सलाह

पूछा-गिरफ्तारी का कारण नहीं बताने का मुद्दा पहले क्यों नहीं उठाया

इंदौर/नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड की आरोपी सोनम रघुवंशी को सुप्रीम कोर्ट ने सरेंडर करने की सलाह दी है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की पीठ ने कहा कि या तो वह मेघालय सरकार की अपील पर मामले के गुण-दोष को देखते हुए फैसला करेगी या फिर सोनम को समर्पण करने का निर्देश देकर जांच एजेंसियों को आगे पूछताछ का अवसर देगी। सुप्रीम कोर्ट उस याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें निचली अदालत द्वारा सोनम को दी गई जमानत और मेघालय हाईकोर्ट के उसे बरकरार रखने के आदेश को चुनौती दी गई है। मामले की अगली सुनवाई 23 जुलाई को होगी।

मंगलवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सोनम के वकील से कहा कि यदि वे चाहें तो अदालत मेघालय सरकार की अपील पर उनकी दलीलें सुनकर अंतिम आदेश पारित कर सकती है। दूसरा विकल्प यह है कि सोनम फिलहाल आत्मसमर्पण करे ताकि जांच एजेंसियां उससे पूछताछ कर सकें और इस दौरान जमानत के मुद्दे पर भी विचार किया जा सके।

- **सोनम के आचरण पर भी उठाए सवाल-** सुप्रीम कोर्ट ने वारदात के बाद सोनम के व्यवहार और उसके कानूनी तर्कों पर भी सवाल उठाए। अदालत ने पूछा कि गिरफ्तारी के समय कारण नहीं बताए जाने का मुद्दा पहले क्यों नहीं उठाया गया। इस पर सोनम के वकील ने निर्देश लेने के लिए समय मांगा और कहा कि वे गुरुवार तक अपना जवाब दाखिल करेंगे।
- **मेघालय सरकार ने जमानत का किया विरोध-** मेघालय सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सोनम की जमानत का विरोध करते हुए कहा कि उसने पुलिस के सामने स्वेच्छा से आत्मसमर्पण किया था। ऐसे में बाद में यह कहना कि गिरफ्तारी के कारण नहीं बताए गए, कानूनी रूप से स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने अदालत को बताया कि गिरफ्तारी मेमो में यदि कोई कमी है तो वह केवल लिपिकीय त्रुटि (क्लेरिकल मिस्टेक) है।

सोनम वांगचुक को मेदांता शिफ्ट करने का आदेश

- दिल्ली हाईकोर्ट ने पत्नी गीतांजलि की याचिका पर दिया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को सोनम वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल से मेदांता शिफ्ट करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि मेदांता उनके इलाज के लिए डॉक्टरों का एक पैनल बनाएगा। कोर्ट ने यह आदेश उनकी पत्नी गीतांजलि अंगमो की याचिका पर दिया है। सोनम 28 जून से भूख हड़ताल पर हैं। दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बाद 18 जुलाई को पुलिस उन्हें जंतर-मंतर से उठाकर सफदरजंग अस्पताल ले गई थी। सोनम की पत्नी ने कोर्ट में याचिका लगाकर उन्हें पसंद के अस्पताल में शिफ्ट कराने की मांग की थी। उधर, कॉकरोच जनता पार्टी का जंतर-मंतर पर मंगलवार को 32वें दिन प्रदर्शन जारी है। दोपहर 12 बजे तक हजारों की संख्या में आंदोलनकारी धरने वाली जगह पर पहुंच गए हैं।

- राहुल ने विपक्षी नेताओं को बांटे प्लास्टिक बैंड्स, हाथ बांधकर प्रदर्शन

पीएम आवास के पास धरने पर बैठे राहुल और प्रियंका

धरनास्थल से राहुल गांधी और अखिलेश को पुलिस हिरासत में ले लिया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेपर लीक मामले में धर्मेंद्र प्रधान और प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस के कई नेता दिल्ली में पीएम आवास के पास धरने पर बैठ गए हैं। इनमें राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे शामिल हैं। कांग्रेसी पीएम और गृहमंत्री इस्तीफा दो के नारे लगा रहे हैं। प्रदर्शन के बीच यहां पुलिस ने पंजाब के पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी और कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। कांग्रेस का यह प्रदर्शन बेहद सीक्रेट रहा। राहुल समेत सभी नेता कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के घर से पीएम आवास तक पैदल मार्च करके पहुंचे। जब ये लोग 100 मीटर दूर थे तब मीडिया को जानकारी दी गई। इधर, कांग्रेस के प्रदर्शनकारी नेताओं से बातचीत करने के लिए जितेंद्र सिंह पहुंच गए हैं। उन्होंने धरना खत्म करने की अपील की है। धरनास्थल से राहुल गांधी और अखिलेश को पुलिस हिरासत में ले लिया गया था।

- **हाथ बांधे प्रदर्शन करते हुए नजर खरगे-** मल्लिकार्जुन खरगे अपने जन्मदिन के मौके पर हाथ बांधे प्रदर्शन करते हुए नजर आए। उन्होंने कहा कि वह अपना जन्मदिन नहीं मनाएंगे क्योंकि यह जश्न मनाने का नहीं, बल्कि जवाबदेही मांगने का दिन है। मल्लिकार्जुन खरगे ने छात्रों के प्रदर्शन पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और आंसू गैस के इस्तेमाल को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश के बच्चों को दमन नहीं, न्याय चाहिए। खरगे ने एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वह अपने जन्मदिन पर जश्न नहीं मनाएंगे। उन्होंने कहा, 'आज जश्न मनाने का दिन नहीं है। यह जवाबदेही मांगने का दिन है। लोकतंत्र बहाल करो।' राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि वह कांग्रेस के नेताओं, कार्यकर्ताओं, समर्थकों, शुभचिंतकों और उन सभी नागरिकों के आभारी हैं जिन्होंने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। खरगे के अनुसार, लोगों का स्नेह उनके लिए बहुत मायने रखता है और वह इसके लिए सभी को हृदय से धन्यवाद देते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि एक दिन पहले देश ने लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले देखे हैं।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग छात्रा से रेप, चाचा और दोस्त पर पॉक्सो एक्ट में केस, जांच जारी

हाजीपुर। वैशाली जिले के गरौल थाना क्षेत्र में एक 14 साल की नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता के रिश्ते में लगने वाले एक चाचा और एक अज्ञात युवक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। यह घटना 18 जुलाई की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, पीड़िता सुबह स्कूल जा रही थी। इसी दौरान आरोपी उसे बाइक पर बैठाकर ले गए और उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी छात्रा को बेहोशी की हालत में सड़क किनारे छोड़कर फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे बेहोश पड़ी छात्रा को देखा और तुरंत उसके परिजनों को सूचना दी। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर पुलिस को घटना की जानकारी दी। गरौल थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और छात्रा को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद छात्रा को मेडिकल जांच के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेजा गया। पीड़िता के बयान के आधार पर पुलिस ने पॉक्सो एक्ट की धाराओं के तहत एक नामजद और एक अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। छात्रा का बयान न्यायालय के समक्ष भी दर्ज कराया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए महुआ एसडीपीओ संजीव कुमार और एफएसएल की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। एफएसएल टीम ने मौके से कई महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्रित किए हैं। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित कर छापेमारी शुरू कर दी है।

महुआ एसडीपीओ संजीव कुमार ने बताया कि 20 जुलाई को गरौल थाने में पीड़िता के परिजनों द्वारा आवेदन दिया गया था। आवेदन में 18 जुलाई को हुई घटना का जिक्र है। पीड़िता ने बताया कि जान-पहचान का एक व्यक्ति उसे बहला-फुसलाकर बाइक पर ले गया और उसके साथ गलत काम किया। एसडीपीओ ने यह भी बताया कि मामले में एक व्यक्ति नामजद है, जबकि दूसरे की पहचान की जा रही है। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण और न्यायिक दंडाधिकारी के समक्ष 164 के तहत बयान दर्ज करा लिया गया है। पुलिस आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है।

कृषि विभाग उप परियोजना निदेशक की रोड एक्सीडेंट में मौत, महात्मा गांधी सेतु पर बाइक फिसलने से हुआ हादसा

हाजीपुर। हाजीपुर में महात्मा गांधी सेतु के पाया नंबर 26 के निकट सोमवार रात एक सड़क हादसे में कृषि विभाग आत्मा के उप परियोजना निदेशक सियाराम साहू की मौत हो गई। इस दुर्घटना में उनके साथ रहे अकाउंटेंट शशि रंजन भारती घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, सियाराम साहू अपने अकाउंटेंट शशि रंजन भारती के साथ हाजीपुर में एक जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने के बाद पटना लौट रहे थे। पाया नंबर 26 के पास किसी ट्रक या ट्रैक्टर द्वारा सड़क पर कुछ दूरी में मिट्टी गिरा दी गई थी। बारिश के कारण कीचड़ और मिट्टी में बाइक फिसलने से दोनों गिर गए। गिरने के बाद पीछे से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। इस टक्कर से सियाराम साहू की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि शशि रंजन भारती घायल हो गए। घायल शशि रंजन भारती ने तत्काल अपने साथियों को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही गंगा ब्रिज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को आनन-फानन में सदर अस्पताल ले गई। डॉक्टरों ने जांच के बाद सियाराम साहू को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। मृतक सियाराम साहू (52) मधुबनी जिले के जयनगर थाना क्षेत्र के दुलीपट्टी निवासी स्वर्गीय सुखदेव साहू के पुत्र थे। वह करीब 15 वर्षों से हाजीपुर कृषि विभाग में तैनात थे। उनकी पत्नी बिदुपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डेंटल डॉक्टर हैं। गंगा ब्रिज थाना अध्यक्ष दीपक कुमार ने बताया कि सड़क हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई की। उन्होंने पुष्टि की कि पुल पर गिराई गई मिट्टी के कारण बाइक फिसलने से यह हादसा हुआ। पुलिस ने मौके पर बैरिकेडिंग कर मिट्टी हटाने की कार्रवाई भी की। इस घटना की जानकारी मिलते ही कृषि विभाग के अधिकारी और कर्मचारी सदर अस्पताल और घटनास्थल पर पहुंचे। कृषि विभाग के आधिकारिक कर्मियों में शोक की लहर है।

घर से ज्वेलरी और कैश चोरी, परिवार को घर में सामान बिखरा मिला, मौके पर पहुंची पुलिस

हाजीपुर। वैशाली जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र के विशनपुर राजखण्ड गांव में दिलीप कुमार के घर से लाखों रुपये के गहने और नकदी चोरी हो गई। यह घटना 20 जुलाई 2026 की रात से 21 जुलाई 2026 की सुबह के बीच हुई। दिलीप कुमार ने बताया कि 20 जुलाई की रात करीब 10 बजे वह अपने परिवार के साथ सो गए थे। अगली सुबह 21 जुलाई को लगभग 4 बजे जब वह उठे, तो उन्होंने देखा कि घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर पता चला कि चोरों ने घर से सोने का हार, चेन, कान की बालियां, चांदी की छह जोड़ी पायल, एक लाख रुपये नकद और कुछ महत्वपूर्ण कागजात चुरा लिए थे। दिलीप कुमार ने आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन चोरी के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिल पाई। उन्होंने अज्ञात चोरों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस से अनुरोध किया है। घटना की जानकारी मिलते ही बिदुपुर थाने की पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

ट्रक ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मौत, घर से किराए के मकान पर जाने के दौरान हादसा

हाजीपुर। हाजीपुर-लालगंज मुख्य मार्ग पर सदर थाना क्षेत्र के मनुआ के पास तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान राजा बाबू के रूप में हुई है। परिजन के अनुसार, राजा बाबू पिछले 10 वर्षों से ट्रक चालक का काम कर रहा था। वह बीती रात अपने घर से लौटकर हाजीपुर स्थित अपने डेरे पर जा रहा था। इसी दौरान मनुआ के समीप एक ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों की मदद से गंभीर रूप से घायल चालक को तुरंत हाजीपुर सदर अस्पताल पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही नगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने बताया कि राजा बाबू अपने भाइयों में इकलौता था। उसकी शादी करीब 11 वर्ष पहले हुई थी और उसकी एक छोटी बेटी भी है। परिवार की पूरी जिम्मेदारी उसी के कंधों पर थी। दुर्घटना के बाद टक्कर मारने वाला ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को जब्त कर लिया है। सदर थाना पुलिस का कहना है कि परिजनों का बयान दर्ज कर लिया गया है और फरार वाहन व चालक की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

सीएम हाउस, स्कूलों और पासपोर्ट ऑफिस को उड़ाने की धमकी

लेटर में लिखा- संजय वर्मा को पटना में छिपाया है, खालिस्तान वाले उसे वहीं ढूंढकर मारेंगे

एजेंसी, पटना

बिहार के मुख्यमंत्री आवास और सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। ये धमकी ईमेल के जरिए दी गई है। ईमेल में दोनों जगहों पर बम ब्लास्ट किए जाने की टाइमिंग का भी जिक्र किया गया है। धमकी देने वाले ने लिखा है कि 21 जुलाई दोपहर 3:11 बजे सबसे पहले पटना सचिवालय में बम का धमाका होगा। इसके बाद रात में 9 बजकर 11 मिनट पर मुख्यमंत्री ऑफिस और आवास को बम से उड़ाएंगे। धमकी भरा ये ईमेल मंगलवार की सुबह 7 बजकर 57 मिनट पर ग्रामीण विकास विभाग को भेजा गया है। विभाग के जॉइंट सेक्रेटरी रवि कुमार ने थाने में इसकी शिकायत की है। इसके साथ ही पटना के 4 स्कूलों को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इनमें DPS (सीनियर और जुनियर), आर्मी स्कूल और रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल शामिल है। धमकी के बाद स्कूल खाली करवा दिए गए हैं। बेगूसराय, पटना के डाकघरों और पासपोर्ट ऑफिस को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली है। गयाजी के डाकघरों और पासपोर्ट सेवा केंद्र की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है।

दानापुर में 4 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी: दानापुर के 4 स्कूलों को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली है। दानापुर कैंट स्थित आर्मी पब्लिक स्कूल, रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल, चांदमारी रोड दानापुर स्थित डीपीएस सीनियर और जूनियर स्कूल को बम से उड़ने की धमकी दी गई है। स्कूल प्रशासन ने एहतियात के तौर पर छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके बाद पुलिस, बम निरोधक दस्ता की टीम मौके पर पहुंची और स्कूल परिसरों की जांच शुरू की। सुरक्षा के मद्देनजर स्कूलों के आसपास के क्षेत्रों की निगरानी भी बढ़ा दी गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में अब तक कोई संदिग्ध चीज बरामद नहीं हुई है।

चप्पे-चप्पे की हो रही जांच: एक तरफ बिहार विधानसभा का मानसून सत्र चल रहा है। इसे लेकर पहले से सुरक्षा-व्यवस्था पर ध्यान दिया जा रहा है। अब धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद पटना पुलिस के साथ ही मुख्यालय स्तर के अधिकारी अलर्ट हो गए हैं। सचिवालय थाने की पुलिस ने धमकी भरे ईमेल की पुष्टि की है। पुलिस के अनुसार मुख्यमंत्री सचिवालय से केस दर्ज करने के लिए आवेदन मिलते ही टीम एक्टिव हो गई। डॉग स्क्वायड की टीम मुख्यमंत्री सचिवालय पहुंच गई है। वहां के चप्पे-चप्पे की जांच कर रही है। धमकी भरे ई मेल का कनेक्शन दो साल पहले कनाडा में हुए विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है। कनाडा में हाई कमिश्नर रहते हुए संजय वर्मा ने वहां की जस्टिन ट्रूडो सरकार पर खालिस्तानियों को पनाह देने का गंभीर आरोप लगाया था। ई मेल में कहा गया, कनाडा में रहने वाले खालिस्तानी आतंकी भारतीय नहीं, बल्कि कनाडा के नागरिक हैं।

पटना में 6.70 लाख के स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

- हेलमेट में छिपाकर ले जा रहा था स्मैक, वाहन चेकिंग के दौरान पकड़ा गया

राजीवनगर इलाके से नेपाली नगर में पुलिस की ओर से सुबह 9 बजे के करीब गाड़ियों की चेकिंग गश्ती की ओर से हो रही थी। इसी बीच एक बाइक सवार चेकिंग देखकर भागने लगा। संदेह के आधार पर उसे दौड़कर पकड़ा गया। पकड़ने के बाद तलाशी ली गई तो उसके पास से 1500 छोटे छोटे कागज के पुड़िया बरामद किए गए। जिसका वजन 585.37 ग्राम है। पकड़े गए युवक की पहचान भोजपुर धोबहा के रवि कुमार (25) के तौर पर हुई है।

हेलमेट में छिपाकर रखा था: ASP लॉ एंड ऑर्डर 2 कोमल मीणा ने बताया कि इस पुड़िया के बारे में पकड़े आरोपी रवि से पूछा गया तो उसने बताया कि स्मैक है। सिर के ऊपर हेलमेट के अंदर काले 2 प्लास्टिक में स्मैक का पुड़िया छिपा कर रखा था। इसकी कीमत 6.70 लाख रुपए आंकी गई है।

आरोपी के पास से बरामद सामग्री: कोमल मीणा ने बताया कि आरोपी के पास से एक बाइक, 585.37 ग्राम स्मैक, स्किन टच मोबाइल, 1559 रुपए कैश बरामद किए गए हैं। फिलहाल राजीव नगर थाने में NDPS की धारा के तहत मामला दर्ज के आरोपी के आपराधिक इतिहास के बारे में पता लगाया जा रहा है। इससे पहले भी कई मामले में भोजपुर का कनेक्शन सामने आ चुका है। इस एंगल से भी पुलिस छानबीन कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि कब से इस धंधे में आरोपी एक्टिव था।

रेलवे ट्रैक पर यात्री को पीटने वाले टीटीई निलंबित

एजेंसी, पटना

दानापुर रेल मंडल के बख्तियारपुर जंक्शन पर टीटीई ने 2 यात्रियों से जमकर मारपीट की थी। इस मामले में दानापुर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अभिनव सिद्धार्थ ने आरोपी टीटीई कुंदन कुमार को निलंबित कर दिया है। उनके खिलाफ विभागीय जांच और अनुशासनात्मक कार्रवाई के आदेश भी जारी किए गए हैं। घटना 18 जुलाई 2026 की बताई जा रही है। वीडियो में टीटीई कुंदन कुमार रेलवे ट्रैक के पास लुंगी पहने एक व्यक्ति को लात-घूंसों से पीटते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में वह एक अन्य व्यक्ति का कॉलर पकड़कर घसीटते हुए भी नजर आ रहे हैं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अभिनव सिद्धार्थ ने स्पष्ट किया कि भारतीय रेलवे में अनुशासन और यात्रियों के साथ उचित व्यवहार सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्री के खिलाफ नियमानुसार जुर्माना या विधिक कार्रवाई का अधिकार है, लेकिन किसी भी स्थिति में शारीरिक हिंसा अस्वीकार्य है। आरोपी टीटीई को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। ताकि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो सके। कमलेश यादव नामक एक यूजर ने फेसबुक पर 18 जुलाई 2026 को हुई इस घटना का जिक्र करते हुए टीटीई पर मारपीट और पैसे वसूली का आरोप लगाया था।

सक्षमता परीक्षा का रिजल्ट जारी,14512 में से 4353 टीचर्स पास, सबसे खराब 9वीं-10वीं का परिणाम

एजेंसी, पटना

- पहली से चौथी एग्जाम में फेल शिक्षक शामिल हुए थे

BSEB ने मंगलवार को स्थानीय निकाय के शिक्षकों के लिए आयोजित 5वीं और अंतिम सक्षमता परीक्षा-2026 का रिजल्ट जारी कर दिया है। इसमें 14,512 में से 4,353 शिक्षक पास हुए हैं। बिहार बोर्ड के अध्यक्ष एस एम त्यागराजन ने रिजल्ट की घोषणा की। पास हुए कैंडिडेट्स में 1,870 पुरुष और 2,483 महिला शिक्षक शामिल हैं। यह परीक्षा क्लास 1–5, 6–8, 9–10 और 11–12 में कार्यरत शिक्षकों के लिए आयोजित की गई थी। शिक्षक अपना रिजल्ट Application Number की मदद से समिति की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

14,512 शिक्षकों ने दी परीक्षा, 4,353 हुए पास: समिति के अनुसार, यह परीक्षा 5 जून से 8 जून 2026 के बीच आयोजित हुई थी। इसमें 6,559 पुरुष और 7,953 महिला, यानी कुल 14,512 शिक्षक अभ्यर्थी शामिल हुए। इनमें 1,870 पुरुष और 2,483 महिला शिक्षक सफल रहे। इस तरह कुल 4,353 शिक्षक परीक्षा में पास हुए। परीक्षा का कुल सफलता प्रतिशत 30 प्रतिशत रहा।

CBT मोड में हुई थी परीक्षा: सक्षमता परीक्षा कंप्यूटर आधारित परीक्षा (CBT) के माध्यम से ली गई थी। इसमें 150 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए थे। प्रश्न पत्र तीन भागों में बंटा था। पहले भाग में भाषा के 30 प्रश्न, दूसरे भाग में सामान्य अध्ययन के 40 प्रश्न और तीसरे भाग में संबंधित विषय के 80 प्रश्न थे। परीक्षा के लिए 2 घंटे 30 मिनट का समय दिया गया था।

इन शिक्षकों को भी मिला मौका: इसमें ऐसे शिक्षक भी शामिल हुए, जो पहली, दूसरी, तीसरी और चौथी सक्षमता परीक्षा में शामिल नहीं हो सके थे या अनुत्तीर्ण हो गए थे। इसके अलावा ऐसे शिक्षक भी परीक्षा में बैठे, जिनका पहले आवेदन किसी कारण से एक्सेप्ट नहीं हो पाया था।

कैटेगरी वाइज तय थे पासिंग मार्क्स: समिति ने बताया कि सामान्य वर्ग के लिए 40 प्रतिशत, बीसी के लिए 36.5 प्रतिशत, ईबीसी के लिए 34 प्रतिशत, जबकि एससी, एसटी, दिव्यांग और महिला अभ्यर्थियों के लिए 32 प्रतिशत अंक पास होने के लिए निर्धारित थे।

अब होगी काउंसिलिंग: बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि यह रिजल्ट फिलहाल प्रोविजनल है। परीक्षा में सफल शिक्षकों की आगे काउंसिलिंग कराई जाएगी। इसकी तारीख और अन्य जानकारी शिक्षा विभाग की ओर से अलग से जारी की जाएगी। पांचों सक्षमता परीक्षाओं को मिलाकर अब तक 2,71,133 शिक्षक सफल घोषित किए जा चुके हैं।

2 दिन बाद लापता सौम्या लौटी घर परिजन ने अपहरण की जताई थी आशंका

एजेंसी, पटना

पटना में 17 साल की लड़की सौम्या भारती रविवार शाम से लापता थी। वो दो दिन बाद मंगलवार को खुद अपने घर लौट आई है। वो रामकृष्णा नगर की रहने वाली है। कोतवाली थाना इलाके के हरि निवास क्षेत्र से वो लापता हुई थी। परिजन अनहोनी की आशंका जता रहे थे। सोमवार को उन्होंने अपहरण की आशंका जताई थी। वहीं, इस मामले में पुलिस सभी एंगल से जांच कर रही थी। सौम्या ने रघुनाथ बालिका उच्च विद्यालय से 10वीं की पढ़ाई पूरी की है। इसके बाद वो अपने खर्च के लिए हरि निवास इलाके में स्थित एक मोबाइल दुकान पर काम कर रही थी।

मां बोली- घर से मोबाइल शॉप के लिए गई थी: सौम्या की मां दीपा देवी ने बताया था कि, मेरी बेटी रविवार दोपहर करीब 12 बजे हरि निवास इलाके के मोबाइल शॉप में ड्यूटी के लिए घर से निकली थी, लेकिन शाम करीब 7 बजे के बाद से उसका कोई पता नहीं चल सका। 7 दिन पहले मेरे घर पर कुछ अज्ञात लड़कों ने आकर

मारपीट की थी। उसमें बिट्टू नाम का लड़का और दूसरे भी शामिल थे। उसी घटना के बाद मेरी बेटी लापता हो गई थी।

दरअसल, सौम्या की एक बेस्ट फ्रेंड ने उसकी तस्वीर इंस्टा आईडी पर लगाई थी और उस पर आपत्तिजनक कमेंट लिखे थे। जब हमें इसका पता चला तो हमने विरोध जताया था। हम उसकी फ्रेंड

- मोबाइल शॉप में जॉब करती है लड़की

के घर गए थे। उसके परिवार वालों से शिकायत की थी। इस बात से नाराज होकर 14 जुलाई की दोपहर कुछ अज्ञात लोगों ने घर में घुसकर हमारे साथ मारपीट की थी। इसके बाद हम रामकृष्णा नगर थाने पहुंचे थे। थाने में मामले की शिकायत दी गई, लेकिन पुलिस की ओर से कोई रिस्पॉन्स नहीं दिया गया।

बड़ी बहन बोली- पुलिस एक्शन नहीं ले रही: सौम्या की बड़ी बहन दिव्या भारती ने बताया खा कि मेरी बहन को तलाशने के लिए पुलिस कुछ नहीं कर रही है। कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा है। परिवार लगातार परेशान है और पुलिस से पर्याप्त सहयोग नहीं मिल रहा। हमारे पिता बैरिया बस स्टैंड के पास फास्ट फूड की दुकान चलाते हैं। इन सब मामलों के बाद मकान मालिक भी घर खाली करने का दबाव बना रहे हैं। हम लोगों की परेशानी और बढ़ गई है।

किराना दुकानदार को लूटने वाला कुख्यात 6 साल बाद गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना में किराना दुकानदार से लूट हुई थी। बिहटा थाना की पुलिस ने सोमवार की देर शाम मामले में 6 साल से फरार कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान नौबतपुर के अमरपुरा गांव निवासी नंदन महतो के रूप में हुई है। नंदन पर बिहटा, नौबतपुर, दुल्हिनबाजार सहित पटना के कई थानों में हत्या, लूट और डकैती के मामले दर्ज हैं। थानाप्रभारी अमित कुमार ने बताया कि यह मामला 2020 का है। उस समय राघोपुर निवासी किराना दुकानदार धनंजय कुमार अपने दुकान को बंद कर रात में बाइक से घर लौट रहे थे। तभी यमुनापुर गांव के पास एक बाइक से तीन अपराधियों ने पहले धनंजय को रोका और हथियार के बल पर 2 लाख रुपए नगद और अन्य सामान लूट लिए थे। अपराधियों ने धनंजय कुमार को तीन गोलियां भी मारी थीं। अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। सीसीटीवी और टेक्निकल टीम के सहायता से मामले की जांच शुरू की गई और इस मामले में नंदन महतो और उसके गिरोह का नाम सामने आया था। जिसके बाद गुप्त सूचना मिली कि आरोपी अपने गांव आया हुआ है। जिसके बाद नौबतपुर पुलिस के सहयोग से आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। घटना के छह साल बाद गिरोह के मुख्य सरगना नंदन महतो को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि हथियार और नगद के बारे में पुलिस पूछताछ कर रही है और इसके अन्य साथियों का भी पता लगाया जा रहा है।

सुपौल में कोसी उफान पर, आज बिहार के 9 जिलों में भारी बारिश की संभावना

एजेंसी, पटना

बिहार में मानसून मजबूत है। मौसम विभाग ने आज 9 जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है। गया, नवादा और पश्चिम चंपारण में बहुत भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा पटना, नालंदा, वैशाली में भी तेज बारिश की संभावना है। राज्य के बाकी जिलों में बादल छाए रहेंगे। इन जिलों में 30-40Kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है। विभाग की ओर से आकाशीय बिजली गिरने को लेकर विशेष चेतावनी दी गई है। तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट दर्ज की जा सकती है।

इधर, बगहा में बीते दो दिनों की बारिश से जंगली जानवरों को परेशानी हो रही है। बीते दिन वाल्मीकिनगर रोड-पनियहवा रेलखंड पर ट्रेन की चपेट में आने से एक भालू की मौत हो गई। अब बगहा-खरपोखरा रेलखंड के बीच एक घायल फिशिंग कैट मिली है। वहीं सोमवार को बारिश के दौरान ठनका गिरने से आरा में 4 और सीवान में 2 लोगों की मौत हो गई है। वहीं नेपाल के तराई इलाके में लगातार बारिश से सुपौल में कोसी उफान पर है। कोसी बराज से मंगलवार की सुबह 2,03,265 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है।

सोमवार पटना समेत 10 जिलों में रुक-रुककर बारिश होती रही। जमालपुर किउल रेल रूट के कजरा रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक डूब गया है। रेलवे को 2 घंटे तक भागलपुर–सूरत सुपरफास्ट, जमालपुर–किऊल डीएमयू और गया–जमालपुर पैसेंजर समेत कई ट्रेनों को आसपास के स्टेशनों पर रोकना पड़ा। स्पीड कर कम के ट्रेनों को रवाना किया गया।

सम्राट सरकार के फैसले के खिलाफ शिक्षकों का प्रोटेस्ट

एजेंसी, पटना

पटना यूनिवर्सिटी के शिक्षक आज सम्राट सरकार के फैसले के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे है। पटना यूनिवर्सिटी सीनेट हॉल के बाहर 350 शिक्षक सहित, कर्मचारी संघ और छात्र संघ मिलाकर करीब 1000 लोग प्रदर्शन में शामिल हुए हैं। विश्वविद्यालय स्वायत्तता के सवाल पर सभी शिक्षक एकजुट हुए हैं। शिक्षक आज सामूहिक अवकाश पर हैं। बिहार सरकार मुर्दाबाद के नारे लगाए जा रहे। पटना यूनिवर्सिटी के शिक्षक डॉ. दीप नारायण श्रवण ने कहा कि मानसून सत्र में 'बिहार उच्च शिक्षा विधेयक 2026' पेश किया जाएगा। इसके विरोध में आज पटना यूनिवर्सिटी के शिक्षक संघ, कर्मचारी संघ और छात्र संघ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पटना विश्वविद्यालय के पुराने एक्ट के साथ छेड़छाड़ की जा रही है। अगर पटना विश्वविद्यालय के अंतर्गत मौजूद 10 कांस्टीट्यूएंट कॉलेज को सरकार के अधीन लाया जाएगा तो फिर यहां पर कुछ भी नहीं बचेगा।

पटना यूनिवर्सिटी के जो शिक्षक मेरिट से यहां आते हैं, उन्हें दूर दराज ग्रामीण क्षेत्र में भेज दिया जाएगा जो हमें बर्दाश्त नहीं है। यदि सरकार हमारी बात नहीं मानती है तो आगे हम बड़ा

आंदोलन करेंगे। हम लोग विधानसभा का घेराव करेंगे और राजभवन भी मार्च करेंगे। वहीं, दूसरी तरफ सभी परीक्षाएं रद्द होने पर बीएन कॉलेज के छात्रों ने रोड जाम कर दिया है।

वाणिज्य महाविद्यालय की प्रिंसिपल सुहेली मेहता ने कहा कि यह दुर्भाग्य है कि विश्वविद्यालय और कॉलेज से जुड़े निर्णय अब डीएम-बीडीओ के हाथ में होगा। यह समझा जा सकता है कि तब विश्वविद्यालय की क्या हालत होगी। कल हम लोग उच्च शिक्षा मंत्री संजय सिंह टाइगर से मिलने गए थे, मगर उन्होंने कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई और कहा कि शिक्षकों को इससे क्या दिक्कत है। बिहार में उच्च शिक्षा का ढांचा सभी जगह से अच्छा है और हम चाहते हैं कि वह बरकरार रहे।

- कहा- पटना यूनिवर्सिटी के पुराने एक्ट के साथ छेड़छाड़ नहीं हो, पीयू के शिक्षक सामूहिक अवकाश पर

'सरकार अपनी मानसिकता शैक्षणिक संस्थानों पर न सौंपे': सहायक प्राध्यापक शेखर ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र में यूनिवर्सिटी को एक स्वायत्त संस्था मानी गई है। यानी कोई भी सरकार अपनी मानसिकता शैक्षणिक संस्थानों पर न सौंपे। यहां से पढ़े हमारे बच्चे सीधे प्रशासनिक सेवा में जाएंगे। यदि हम सरकारी तंत्र के मानसिकता से चले और वैसे बच्चे निकाले जो सरकार के ही नक्शेकदम पर चलेंगे। आज अगर यह सरकार के अंतर्गत आता है तो तय है कि वह स्वायत्तता छीन ली जाएगी। जिस अधिनियम को खत्म करने की बात आ रही है, उसी के बदौलत हम सारे शिक्षकों की बहाली हुई है। हम कॉलेज में पढ़ाते हैं। अगर इसे अलग कर दिया जाए तो हम कहां जाएंगे। हमारी मांग है कि सरकार ने जो भी ड्राफ्ट बनाया है उसे ओपन पटल पर रखे, चर्चा करें उसके बाद ही कोई निर्णय ले।

संक्षिप्त समाचार

बनकटवा के अंकुश ने NEET-UG 2026 में लहराया परचम, 570 अंक के साथ हासिल की 98.81 पर्सेंटाइल

बीएनएम@ बनकटवा। पूर्वी चंपारण जिले के बनकटवा प्रखंड निवासी दिनेश कुमार के पुत्र अंकुश कुमार ने NEET-UG 2026 परीक्षा में शानदार सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अंकुश ने 720 अंकों में से 570 अंक प्राप्त करते हुए 98.81 पर्सेंटाइल हासिल की। उनकी इस उपलब्धि से परिवार सहित पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। अंकुश ने अखिल भारतीय स्तर पर 23,495वीं रैंक प्राप्त की, जबकि ओबीसी श्रेणी में उनकी 11,245वीं रैंक रही। सीमित संसाधनों के बावजूद कठिन परिश्रम, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण के बल पर उन्होंने यह सफलता अर्जित की। अंकुश की उपलब्धि पर जितना थाना के थानाध्यक्ष सुधीर कुमार, स्थानीय सरपंच राजकुमार, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने उन्हें फूल-माला पहनाकर सम्मानित किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने कहा कि अंकुश की सफलता ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक है और यह साबित करती है कि दृढ़ संकल्प और निरंतर मेहनत से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। अपनी सफलता पर अंकुश ने इसका श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों और नियमित अध्ययन को दिया। उन्होंने कहा कि उनका सपना एक कुशल एवं संवेदनशील चिकित्सक बनकर समाज की सेवा करना है। अंकुश की इस उपलब्धि से बनकटवा प्रखंड में गौरव का माहौल है। शिक्षकों, समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि वह आगे भी अपनी मेहनत के दम पर नई ऊंचाइयों को छुएंगे और क्षेत्र के अन्य छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणा बनेंगे।

तुरकौलिया में अलग-अलग घटनाओं में महिला समेत तीन की मौत, गांवों में पसरा मातम

बीएनएम@ तुरकौलिया। थाना क्षेत्र में मंगलवार को अलग-अलग घटनाओं में एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई। इनमें एक की सर्पदंश, दूसरे की विद्युत करंट की चपेट में आने और तीसरे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई। तीनों घटनाओं के बाद संबंधित गांवों में शोक का माहौल है। मृतकों में कवलपुर मलाही टोला निवासी जलंधर सहनी की पत्नी पन्ना देवी, मथुरापुर वार्ड संख्या-10 निवासी देवशरण राम तथा आमवा गांव निवासी नंदकिशोर यादव शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, पन्ना देवी रात में घर के एक कमरे में अकेली सो रही थीं, जबकि परिवार के अन्य सदस्य दूसरे कमरे में थे। देर रात उन्हें किसी विषैले सांप ने डंस लिया। दर्द होने पर उन्होंने शोर मचाया, जिसके बाद परिजन पहुंचे और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाने लगे। हालांकि रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। दूसरी घटना में मथुरापुर वार्ड-10 निवासी देवशरण राम सुबह शौच के लिए खेत की ओर गए थे। इसी दौरान वे विद्युत करंट की चपेट में आ गए, जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजन उनकी तलाश में निकले और खेत में उनका शव पड़ा मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया। वहीं आमवा गांव निवासी नंदकिशोर यादव की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल उनकी मौत के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने बताया कि दोनों पुरुषों के शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। नंदकिशोर यादव की मौत के मामले में अभी तक परिजनों की ओर से कोई आवेदन नहीं दिया गया है। आवेदन मिलने के बाद अग्रेतर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं महिला की सर्पदंश से हुई मौत के संबंध में भी आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

मुफ्फसिल व मनुआपुल थाना क्षेत्रों का एसपी ने किया औचक निरीक्षण, कानून-व्यवस्था व ट्रैफिक व्यवस्था का लिया जायजा

बीएनएम@ बेतिया। पश्चिम चंपारण के पुलिस अधीक्षक ने मंगलवार को मुफ्फसिल एवं मनुआपुल थाना क्षेत्रों का औचक निरीक्षण कर कानून-व्यवस्था और यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान बाजार क्षेत्रों तथा प्रमुख चौक-चौराहों पर सुरक्षा और ट्रैफिक प्रबंधन की स्थिति की समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने निरीक्षण के दौरान स्थानीय दुकानदारों एवं आम नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याओं और सुझावों की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा यातायात संचालन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान थानाध्यक्ष मुफ्फसिल, थानाध्यक्ष मनुआपुल सहित संबंधित पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आम लोगों की सुरक्षा, बेहतर यातायात व्यवस्था और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बेतिया पुलिस लोक व्यवस्था के संधारण एवं आमजन की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

पुलिस को देखते ही भाग रहे शराब तस्कर धराए, 40 लीटर देसी शराब व दो बाइक जब्त

बीएनएम@ हरसिद्धि। हरसिद्धि थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 40 लीटर देसी शराब के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। शराब की खेप ढोने में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल भी जब्त की गई हैं। पूछताछ के बाद दोनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। प्रभारी थानाध्यक्ष अविनाश कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि पानापुर रंजीता पंचायत के योगिया टावर के समीप दो व्यक्ति अलग-अलग मोटरसाइकिल से 20-20 लीटर देसी शराब लेकर आने वाले हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर दी। कुछ ही देर बाद कोबेया की ओर से दो मोटरसाइकिल आती दिखाई दीं। पुलिस ने दोनों सवारों को रुकने का संकेत दिया, लेकिन पुलिस को देखते ही वे तेज रफ्तार से भागने लगे। भागने के दौरान दोनों मोटरसाइकिलें असंतुलित होकर आपस में टकरा गईं। इसके बाद दोनों युवक बाइक छोड़कर पैदल भागने लगे, लेकिन पुलिस ने पीछा कर उन्हें मौके पर ही दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रामबाबू मांझी (पिता- नेमी मांझी) तथा मनोज मांझी (पिता- कैलाश मांझी), दोनों निवासी ग्राम योगिया, पानापुर वार्ड संख्या-4, थाना हरसिद्धि, के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान दोनों मोटरसाइकिलों की डिक्की और झोलों से कुल 40 लीटर देसी शराब बरामद की गई। जब्त वाहनों का निबंधन संख्या BR05AD-2456 (सुपर स्प्लेंडर) एवं BR05T-3136 है। पुलिस दोनों वाहनों के स्वामित्व और अन्य पहलुओं का सत्यापन कर रही है। प्रभारी थानाध्यक्ष ने बताया कि पूछताछ में दोनों आरोपितों ने शराब की खेप लाने की बात स्वीकार की। बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों को मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस कार्रवाई में दरोगा शशिभूषण सिंह तथा सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे।

अभियुक्तों को लाभ पहुँचाते है बंजरिया थानाध्यक्षः डीएसपी

बंजरिया थानाध्यक्ष पर भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग और भू-माफियाओं से मिलीभगत के गंभीर आरोप

» एसपी व डीआईजी से कार्रवाई की मांग, पीड़ित परिवार का आरोप– प्राथमिकी नहीं दर्ज की, उल्टे झूठे मुकदमों में फंसाने की कोशिश

बीएनएम@ सागर सूरज

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण के बंजरिया थाना के थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह पर भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग तथा कथित रूप से भू-माफियाओं के साथ मिलकर एक परिवार की जमीन हड़पवाने का प्रयास करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

हालांकि इस मामले मे जब थानाध्यक्ष से बात की गयी तो वे लगाए गये किसी भी आरोप का जवाब देने से सीधा इंकार कर दिया। जबकि इन आरोपों की सीधी पुष्टि सदर पुलिस उपाधिक्षक दिलीप कुमार के एक पेर्वेक्षण टिप्पणी मे की गयी टिप्पणी से होता है।

मामले में रेहमतनगर जानपुल निवासी इजहार अंसारी एवं उनके परिवार की ओर से पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात और पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) हरकिशोर राय को आवेदन देकर निष्पक्ष जांच तथा संबंधित पुलिस पदाधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की गई है।

आवेदन में आरोप लगाया गया है कि इजहार अंसारी द्वारा धोखाधड़ी, जालसाजी, गबन और कीमती जमीन हड़पने से जुड़े मामले की शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसकी जांच में आरोपों की पुष्टि होने का दावा किया गया है। पीड़ित पक्ष का कहना है कि इसके बाद आरोपितों को बचाने के उद्देश्य से इजहार अंसारी, शमशेर आलम सहित अन्य लोगों के विरुद्ध एक अलग झूठा मामला दर्ज कराया गया, जिसे वरीय पुलिस अधिकारियों ने जांच के दौरान असत्य पाया।

आवेदन के अनुसार, सदर पुलिस उपाधीक्षक दिलीप कुमार ने अपने पर्यवेक्षण प्रतिवेदन में थानाध्यक्ष के आचरण पर गंभीर टिप्पणी करते हुए अभियुक्त पक्ष को लाभ पहुंचाने संबंधी बातें दर्ज की हैं। पीड़ित पक्ष का दावा है कि यह टिप्पणी संबंधित कांड के पर्यवेक्षण के दौरान की गई थी।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि कांड संख्या 521/26 में मामला सत्य पाए जाने के बाद आरोपित पक्ष ने इजहार हुसैन यानि वादी पक्ष के एक मकान को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। विरोध करने पहुंची शमशेर आलम की पत्नी के साथ मारपीट और अशोभनीय व्यवहार किए जाने का भी आरोप लगाया गया है।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए शमशेर आलम की पत्नी कई बार बंजरिया थाना पहुंचीं, लेकिन थानाध्यक्ष ने आवेदन लेने और मामला दर्ज करने से साफ इनकार कर दिया। जबकि सभी घटनाओं की सीसीटीवी उपलब्ध है।

उनका कहना है कि वे कई बार घंटों थाने में बैठीं, लेकिन कार्रवाई के बजाय उन्हें फटकार कर लौटा दिया गया।

आरोप है कि इसी दौरान भू-माफियाओं के साथ मिलीभगत कर कथित रूप से झूठी चिकित्सीय रिपोर्ट के आधार पर इजहार अंसारी और शमशेर आलम के विरुद्ध एक और प्राथमिकी दर्ज कर दी गई है तथा उन्हें जेल भेजने की धमकियां दी जाने लगीं। हालांकि, इसमें भी घटना स्थल की सीसीटीवी फूटेज उपलब्ध है. लेकिन भू माफियाओ के प्रभाव मे थानाध्यक्ष कुछ भी सुनने को तैयार नहीं है।

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि उन्होंने कई बार पुलिस अधीक्षक से भी मुलाकात कर अपनी शिकायत रखी। उनके अनुसार एसपी द्वारा थाना स्तर पर फोन कर कार्रवाई के निर्देश दिए जाने के बावजूद प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई। परिवार का आरोप है कि आज भी उन्हें लगातार धमकाया जा रहा है।

आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि संबंधित थानाध्यक्ष पर क्षेत्र के अन्य भूमि विवादों में भी भू-माफियाओं के साथ मिलीभगत कर जमीन कब्जा कराने के आरोप लगते रहे हैं। पीड़ित परिवार का दावा है कि लगातार झूठे मुकदमे दर्ज कर उन पर दबाव बनाया जा रहा है, ताकि वे अपनी जमीन छोड़ने को मजबूर हो जाएं।

बताया गया कि वरिये आधिकारियों द्वारा ऐसे गंभीर लिखित आरोपों के बाद भी मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात द्वारा उक्त थानाध्यक्ष पर कोई कार्रवाई नहीं करना भी सवालों मे है।

ईशा देओल ने युवा कोलोरेक्टल सर्जन डॉ. विश्वपाल विश्वेंदु को किया सम्मानित, मिला 'आइकॉनिक पर्सनैलिटी ऑफ बिहार-2026' अवॉर्ड

बीएनएम@ मोतिहारी

राजधानी पटना में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में बिहार के युवा गैस्ट्रो एवं कोलोरेक्टल सर्जन डॉ. विश्वपाल विश्वेंदु को 'आइकॉनिक पर्सनैलिटी ऑफ बिहार-2026' सम्मान से नवाजा गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा देओल ने उनके उत्कृष्ट चिकित्सा योगदान और उपलब्धियों के लिए प्रदान किया। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले प्रतिभाशाली व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। डॉ. विश्वपाल विश्वेंदु को बिहार के सबसे युवा कोलोरेक्टल सर्जनों में शामिल होने तथा इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ सर्जन्स (आई.सी.एस) की प्रतिष्ठित फेलोशिप प्राप्त करने सहित चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए यह सम्मान दिया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. विश्वपाल विश्वेंदु ने कहा, "यह सम्मान मेरे लिए गर्व के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। मैं इस उपलब्धि का श्रेय अपने सभी गुरुओं, माता-पिता और उन मरीजों को देता हूँ, जिन्होंने मुझ पर विश्वास जताया। भविष्य में भी बेहतर चिकित्सा सेवाएं देने के लिए निरंतर प्रयासरत रहूंगा।" समारोह में मौजूद अतिथियों ने डॉ. विश्वपाल विश्वेंदु की उपलब्धि को बिहार के चिकित्सा जगत के लिए गौरवपूर्ण और प्रेरणादायक बताया। वक्ताओं ने कहा कि इस सम्मान से युवा चिकित्सकों को उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। इस संबंध में जानकारी संजू यादव एवं मंटू यादव ने दी।

आकांक्षी प्रखंडों की प्रगति पर केंद्र की पैनी नजर, केसरिया-कल्याणपुर में अफसरों को सुधार के निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

नीति आयोग के आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम (एबीपी) के तहत चयनित केसरिया और कल्याणपुर प्रखंड की प्रगति की सोमवार को गहन समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के केंद्रीय प्रभारी पदाधिकारी सह निदेशक नीरज कुमार (आईआरएस-आईटी) ने की। समीक्षा के दौरान पांच प्रमुख थीम—स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं संबद्ध सेवाएं, आधारभूत संरचना तथा सामाजिक विकास से जुड़े 40 संकेतकों की विस्तार से समीक्षा हुई। बैठक में स्वास्थ्य के 7, पोषण के 7, शिक्षा के 11, कृषि एवं संबद्ध सेवाओं के 5, आधारभूत संरचना के 5 तथा सामाजिक विकास के 5 संकेतकों की प्रगति पर चर्चा की गई। केंद्रीय प्रभारी पदाधिकारी ने संबंधित जिला एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों को पोर्टल पर समय पर आंकड़ों की प्रविष्टि सुनिश्चित करने तथा जिन संकेतकों का प्रदर्शन राज्य एवं राष्ट्रीय औसत से कम है, उनमें तेजी से सुधार लाने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव, सहायक समाहर्ता राजकृष्ण झा, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार सहित संबंधित जिला एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के बाद केंद्रीय प्रभारी पदाधिकारी ने केसरिया और कल्याणपुर प्रखंड के आंगनबाड़ी केंद्रों, विद्यालयों और स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मिली कमियों के त्वरित निराकरण तथा आम लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

रक्सौल में जाम की समस्या खत्म करने को डीएम-एसपी का निरीक्षण, अतिक्रमण हटाने व फाइन अभियान के निर्देश

बीएनएम@रक्सौल

शहर को जाममुक्त बनाने की दिशा में जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए मंगलवार को जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने बाटा चौक का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने अतिक्रमण हटाने, अवैध पार्किंग पर कार्रवाई और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि शहर की सड़कों को अतिक्रमण मुक्त रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिया कि नियमित रूप से अभियान चलाकर सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाया जाए तथा अवैध रूप से खड़े वाहनों के विरुद्ध लगातार जुर्माना वसूला जाए, ताकि पार्किंग और अवरोध के कारण जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने कहा कि यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाएगा। पुलिस सड़क सुरक्षा के नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करेगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, सहायक समाहर्ता राज कृष्ण झा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनीष आनंद, अनुमंडल पदाधिकारी नागमणि वर्मा तथा नगर परिषद रक्सौल के कार्यपालक पदाधिकारी मनीष कुमार भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने स्थानीय व्यापारियों एवं नागरिकों से सड़क किनारे सामान या ठेले नहीं लगाने और यातायात बाधित नहीं करने की अपील की। साथ ही संबंधित विभागों को नागरिकों की शिकायतों और सुझावों के त्वरित निस्तारण की व्यवस्था सक्रिय रखने का भी निर्देश दिया।

30 अक्टूबर तक हर हाल में पूरा करें छतौनी ओवरफ्लाई, डीएम सौरभ सुमन यादव ने दिए सख्त निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

शहर की बहुप्रतीक्षित छतौनी ओवरफ्लाई परियोजना को लेकर जिलाधिकारी श्री सौरभ सुमन यादव ने सख्त रुख अपनाया है। बुधवार को अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) के प्रोजेक्ट मैनेजर तथा अन्य संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि छतौनी ओवरफ्लाई का निर्माण कार्य हर हाल में 30 अक्टूबर तक पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय सीमा में कार्य पूरा करने में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति, शेष कार्यों तथा सामने आ रही बाधाओं की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यदि किसी स्तर पर तकनीकी या प्रशासनिक समस्या आ रही है तो उसका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि निर्माण कार्य प्रभावित न हो। जिलाधिकारी ने ओवरफ्लाई के दोनों ओर स्थित सर्विस रोड की बदहाल स्थिति पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने निर्देश दिया कि एक माह के भीतर दोनों तरफ की सर्विस रोड को पूरी तरह दुरुस्त किया जाए, जिससे आम लोगों को आवागमन में होने वाली परेशानी दूर हो सके। उन्होंने कहा कि सर्विस रोड की खराब स्थिति के कारण लोगों को जाम, धूल और दुर्घटनाओं जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए इसे प्राथमिकता के आधार पर ठीक किया जाए। डीएम ने कार्यकारी एजेंसी को निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण स्थल पर कार्यबल और मशीनों की संख्या बढ़ाई जाए तथा आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित कर कार्य की गति तेज की जाए। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें, ताकि परियोजना समय पर पूरी हो और शहरवासियों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि छतौनी ओवरफ्लाई के पूरा होने से शहर में यातायात व्यवस्था अधिक सुगम होगी, जाम की समस्या में काफी कमी आएगी और लोगों का समय बचेगा। साथ ही भारी वाहनों के आवागमन में भी सुविधा होगी, जिससे शहर के यातायात पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

कटाव स्थल का डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण, त्वरित सुरक्षा उपायों के दिए निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

जिले के सुगौली अंचल अंतर्गत विशुनपुरवा वार्ड संख्या-1 स्थित कटाव प्रभावित क्षेत्र का मंगलवार को जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने वरीय अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कटाव की स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बाढ़ प्रमंडल, ढाका के कार्यपालक अभियंता को कटाव रोकने के लिए आवश्यक एवं त्वरित सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी रखने को कहा। निरीक्षण के दौरान अंचल अधिकारी, सुगौली ने बताया कि सिकरहना नदी पुल के समीप नदी का जलस्तर धीरे-धीरे घट रहा है। इसके बावजूद प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ स्थिति की निगरानी कर रहा है ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। इस मौके पर सहायक समाहर्ता, सदर अनुमंडल पदाधिकारी मोतिहारी, अंचल अधिकारी सुगौली, बाढ़ प्रमंडल ढाका के अभियंता सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

निलंबन हटाने के नाम पर डेढ़ लाख की रिश्वत? पूर्वी चंपारण शिक्षा विभाग पर फिर भ्रष्टाचार का बड़ा आरोप

बीएनएम@ सागर सूरज

मोतिहारीः पूर्वी चंपारण शिक्षा विभाग में कथित भ्रष्टाचार, दलाली और रिश्वतखोरी के आरोपों की परतें लगातार खुलती नजर आ रही हैं। इसी बीच एक और गंभीर मामला सामने आया है, जिसने विभाग की कार्यप्रणाली पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। बनकटवा प्रखंड के मध्य विद्यालय चनरी के निलंबित शिक्षक अनिल कुमार ने जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) कार्यालय में कार्यरत कर्मी शिवनाथ भारती पर निलंबन समाप्त कराने के नाम पर डेढ़ लाख रुपये रिश्वत लेने का आरोप लगाया है। शिक्षक का दावा है कि रकम लेने के बावजूद उनका काम नहीं कराया गया और बाद में उनसे अतिरिक्त राशि की भी मांग की गई। शिकायत के अनुसार, अतिरिक्त पैसे देने से इनकार करने के बाद शिक्षक ने सीधे क्षेत्रीय उप शिक्षा निदेशक (आरडीडीई) कार्यालय का दरवाजा खटखटाया, जहां सुनवाई के बाद उनका निलंबन समाप्त कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने कथित रूप से दी गई रिश्वत की रकम वापस मांगी, लेकिन उन्हें कोई राहत नहीं मिली। अंततः उन्होंने पूरे मामले की लिखित शिकायत जिला शिक्षा पदाधिकारी को सौंपते हुए निष्पक्ष जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीईओ राजन गिरी ने आरोपी कर्मी शिवनाथ भारती से स्पष्टीकरण तलब किया है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, जवाब मिलने के बाद आरोपों की जांच कर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल आरोपी कर्मी की ओर से कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब बॉर्डर न्यूज मिरर लगातार पूर्वी चंपारण शिक्षा विभाग में कथित भ्रष्टाचार, दलाली और वसूली तंत्र से जुड़े मामलों को प्रमुखता से उजागर कर रहा है। ताजा आरोपों ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या शिक्षा विभाग में बिना कथित लेन-देन के काम कराना मुश्किल हो गया है? अब सबकी नजर विभागीय जांच पर है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह मामला न केवल संबंधित कर्मी बल्कि पूरे शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली और जवाबदेही पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर सकता है।

संक्षिप्त समाचार

राजकीय प्राथमिक विद्यालय बिंदगामा में जलजमाव

पठन-पाठन प्रभावित

बीएनएम@ समस्तीपुर। लगातार हो रही बारिश के कारण मोहनपुर प्रखंड के राजकीय प्राथमिक विद्यालय, बिंदगामा में जलजमाव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। विद्यालय परिसर और कक्षाओं में पानी भर जाने से पठन-पाठन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार बरसात के मौसम में यहां जलभराव की समस्या वर्षों से बनी हुई है, जिससे बच्चों और शिक्षकों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।प्रधानाध्यापिका इंदु कुमारी ने बताया कि पानी जमा रहने से संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने इस संबंध में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, बीडीओ और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आवेदन देकर शीघ्र समाधान की मांग की है।प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी राजू कुमार ने विद्यालय का स्थल निरीक्षण कर जलनिकासी के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। इसके अलावा, बिंदगामा चौक से विद्यालय तक जाने वाली सड़कें भी जलजमाव के कारण तालाब में तब्दील हो चुकी हैं, जिससे आवागमन बाधित है और दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।

जाली बीमा प्रमाण-पत्र पर वाहन परमिट लेने वाले दो स्वामियों पर एफआईआर, परिवहन विभाग की सख्त कार्रवाई

बीएनएम@ गयाजी। मगध प्रादेशिक परिवहन प्राधिकार, मगध प्रमंडल, गया के संयुक्त आयुक्त सह सचिव जनार्दन अग्रवाल ने जाली बीमा प्रमाण-पत्र के आधार पर वाहन परमिट प्राप्त करने के मामले को गंभीरता से लेते हुए दो वाहन स्वामियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। विभाग द्वारा परमिट से संबंधित अभिलेखों की जांच के दौरान ये मामले संदिग्ध पाए गए थे, जिसके बाद यह स्पष्ट हुआ कि संबंधित स्वामियों द्वारा जाली बीमा का उपयोग कर परमिट प्राप्त करने का प्रयास किया गया था।पहले मामले में वाहन संख्या BR-02PB-9437 के स्वामी प्रमोद कुमार, पिता कान्ता सिंह द्वारा कार्यालय में जाली बीमा प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया गया था। जांच में आरोप प्रथम दृष्टया सत्य पाए जाने के बाद उनके विरुद्ध यह कार्रवाई की गई। वहीं दूसरे मामले में वाहन संख्या BR-02PB-9180 के स्वामी अनिल कुमार, पिता बलिराम सिंह द्वारा भी जाली बीमा के आधार पर वाहन परमिट प्राप्त करने का मामला सामने आया, जिस पर उनके खिलाफ भी विधिसम्मत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।संयुक्त आयुक्त सह अग्रवाल ने कहा कि परिवहन विभाग परमिट जारी करने की प्रक्रिया में पारदर्शिता और वैधानिकता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। फर्जी दस्तावेजों और जाली बीमा प्रमाण-पत्रों के जरिए सरकारी प्रक्रिया का दुरुपयोग करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी वाहन स्वामियों और परिवहन व्यवसायियों से अपील की है कि वे परमिट, बीमा, फिटनेस और कर भुगतान से जुड़े सभी दस्तावेज केवल वैध माध्यमों से ही तैयार कराएं, अन्यथा भारतीय कानून के तहत कठोर कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

बोधगया के तत्कालीन सीओ के खिलाफ आरोप पत्र गठित

राजस्व कार्यों में लापरवाही

बीएनएम@ गयाजी। बोधगया के तत्कालीन अंचल अधिकारी चंद्र शेखर के विरुद्ध राजस्व कार्यों में लापरवाही और लंबित मामलों के निस्तारण में विफलता के आरोपों पर डीएम सह-समाहर्ता शशांक शुभंकर द्वारा अनुशासनिक कार्रवाई की अनुशंसा की गई है। इस संबंध में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार, पटना को आरोप पत्र भेजा गया है। डीएम ने बताया कि दाखिल-खारिज, परिमार्जन, ई-नापी, और अभियान बसेरा-2 जैसे महत्वपूर्ण राजस्व कार्यों में लगातार शिथिलता बरती गई और कई बार निर्देश देने के बावजूद अपेक्षित सुधार नहीं हुआ।समीक्षा के दौरान बोधगया अंचल में भारी संख्या में आवेदन लंबित पाए गए। इनमें दाखिल-खारिज के 2666 (जिनमें 860 मामले 120 दिनों से अधिक पुराने हैं), परिमार्जन लेफ्ट आउट के 2277, परिमार्जन प्लस के 1943, ई-नापी के 143, सहयोग पोर्टल के 156 और जन शिकायत के 124 मामले शामिल हैं। डीएम ने स्पष्ट किया कि नागरिकों को समयबद्ध सेवाएं देना सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी स्तर पर प्रशासनिक उदासीनता या लापरवाही को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कार्य में कोताही बरतने वाले अधिकारियों व कर्मियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

ई-रिक्शा चार्जिंग सेंटर और औद्योगिक इकाई पर बिजली विभाग का छापा, लाखों की बिजली चोरी पकड़ी गई

बीएनएम@ गयाजी। शहर में विद्युत चोरी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत विद्युत अधीक्षण अभियंता (एसटीएफ) संजीव कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने चंदौती और बोधगया में छापेमारी कर बड़े पैमाने पर बिजली चोरी का खुलासा किया है।चंदौती थाना क्षेत्र के कटारी स्थित अवधेश कुमार के ई-रिक्शा चार्जिंग परिसर में वैध कनेक्शन होने के बावजूद मीटर से छेड़छाड़ कर भारी बिजली चोरी की जा रही थी, जिससे साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी को 19.50 लाख रुपये की क्षति हुई। इस मामले में चंदौती थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसी तरह, बोधगया के धनावा स्थित सिद्धार्थ कुमार लोहानी के औद्योगिक परिसर में छापेमारी कर 5.25 लाख रुपये की बिजली चोरी पकड़ी गई, जिसके खिलाफ बोधगया थाने में केस दर्ज कराया गया है।एसटीएफ और स्थानीय पुलिस की यह संयुक्त कार्रवाई शहरी क्षेत्रों में ई-रिक्शा चार्जिंग और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर लगातार जारी है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि ऐसी अवैध गतिविधियों से ट्रांसफार्मर और केबल जलने की घटनाएं बढ़ती हैं। जनता से अपील की गई है कि वे बिजली चोरी की सूचना विभाग को दें ताकि सख्त कानूनी कार्रवाई कर ऊर्जा क्षति को रोका जा सके।

बुलेट सवार लूट गिरोह का पर्दाफाश,तीन गिरफ्तार

हथियार और लूटे गए सामान बरामद

बीएनएम@ शेखपुरा. जिले में लगातार लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले बुलेट मोटरसाइकिल सवार गिरोह का पुलिस ने सफल उद्भेदन करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से दो देसी कट्टा, चाकू, नकदी, मोबाइल फोन, लूट में प्रयुक्त बुलेट मोटरसाइकिल और अन्य सामान बरामद किया है। 18 और 19 जुलाई की रात अरियरी, मनकौल और सिरारी थाना क्षेत्रों में हथियार के बल पर राहगीरों से नकदी, मोबाइल और अन्य सामान लूटे गए थे।लगातार हो रही इन घटनाओं के बाद एसपी के निर्देश पर गठित एसआईटी ने तकनीकी अनुसंधान के आधार पर भागलपुर के सबौर निवासी सन्नी कुमार और नवादा के पकरीबरावां निवासी शिवम कुमार व राहुल कुमार को दबोचा। पूछताछ में आरोपियों ने वारदातों में संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह रात के समय बुलेट से घूमकर सुनसान इलाकों में लूटपाट की घटनाओं को अंजाम देता था।

गया जी : आईआईएम बोधगया को मिली एएसीएसबी की अंतरराष्ट्रीय मान्यता

बीएनएम@ गयाजी

वैश्विक स्तर पर शीर्ष 6 प्रतिशत बिजनेस स्कूलों की श्रेणी में शामिल हुआ

» प्रतिष्ठित एएसीएसबी मान्यता प्राप्त होने से खुले नए द्वार, देश का छठा संस्थान बना

बोधगया स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम बोधगया) को एएसीएसबी इंटरनेशनल से अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हुई है। इसके साथ ही संस्थान देश के 22 भारतीय प्रबंधन संस्थानों में यह मान्यता प्राप्त करने वाला छठा आईआईएम बन गया है तथा विश्व के शीर्ष छह प्रतिशत बिजनेस स्कूलों की प्रतिष्ठित श्रेणी में शामिल हो गया है। वैश्विक स्तर पर ज्ञान और बोध की भूमि के रूप में विख्यात इस संस्थान में 1700 से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। संस्थान पांच दीर्घकालिक पूर्णतः आवासीय शैक्षणिक कार्यक्रम जैसे मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, डिजिटल बिजनेस एंड एआई, हॉस्पिटल एंड हेल्थकेयर मैनेजमेंट, इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट, प्रबंधन में पीएचडी तथा

एक एग्जीक्यूटिव एमबीए कार्यक्रम का संचालन करता है। संस्थान की विशिष्ट पहचान इसके शैक्षणिक ढांचे में माइंडफुलनेस के समावेश से है, जिससे नैतिक मूल्यों से प्रेरित व्यावसायिक नेतृत्व का विकास होता है।वर्ष 1916 में स्थापित एएसीएसबी इंटरनेशनल दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे प्रतिष्ठित बिजनेस एजुकेशन नेटवर्क है, जिसकी मान्यता को गुणवत्ता का सर्वोच्च मानक माना जाता है। इसकी शुरुआत अगस्त 2025 में एएसीएसबी साउथ एशिया के प्रमुख प्रताप दास के संस्थान दौरे से हुई थी, जिसके बाद मार्च 2026 में पीयर रिव्यू टीम के अंतिम मूल्यांकन दौरे के साथ यह प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी हुई।इस उपलब्धि पर आईआईएम बोधगया की निदेशक प्रो. (डॉ.) विनिता एस. सहाय ने कहा कि यह मान्यता संस्थान की उत्कृष्टता और निरंतर प्रतिबद्धता का ऐतिहासिक प्रमाण है। यह हमारी मजबूत संस्थागत प्रक्रियाओं, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की दूरदर्शी सोच, संकाय एवं कर्मचारियों के समर्पण तथा विद्यार्थियों के जिम्मेदार नेतृत्व का परिणाम है। इस मान्यता के मिलने से संस्थान को अंतरराष्ट्रीय शोध सहयोग, ड्यूल डिग्री कार्यक्रमों तथा पांच महाद्वीपों में स्टूडेंट एक्सचेंज साझेदारियों का विस्तार करने में नई संभावनाएँ प्राप्त होंगी।

रामगढ़वा में डीएम-एसपी ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं, जेई को लगाई फटकार; तीन पंचायतों में लगा विशेष सहयोग शिविर

बीएनएम@ विजय कुमार

रामगढ़वा। आम जनता की शिकायतों के त्वरित निस्तारण और प्रशासन को गांव तक पहुंचाने के उद्देश्य से पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने सोमवार को रामगढ़वा प्रखंड की रामगढ़वा, अहिरौलिया और आमोदेई पंचायतों में विशेष सहयोग शिविर आयोजित कर लोगों की समस्याएं सुनीं। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। रामगढ़वा पंचायत में आयोजित शिविर में डीएम और एसपी ने स्वयं ग्रामीणों से संवाद कर बिजली, कानून-व्यवस्था, राजस्व, सड़क एवं अन्य विभागों से जुड़ी शिकायतों की जानकारी ली। बिजली आपूर्ति से संबंधित शिकायतों पर जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के कनीय अभियंता (जेई) को कड़ी फटकार लगाते हुए सभी तकनीकी खामियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर दूर करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्य में लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों की समीक्षा करते हुए रक्सौल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनीष आनंद एवं रामगढ़वा थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर संजीव मौआर को आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य पुलिस और जनता के बीच विश्वास को मजबूत करना तथा शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। शिविर में रक्सौल अनुमंडल पदाधिकारी नागमणि कुमार वर्मा, बीडीओ राकेश कुमार, अंचलाधिकारी अमित कुमार, बीईओ ब्रजेश कुमार, बीसीओ अशोक पन्ना, अपर थानाध्यक्ष सुमित कुमार, एसआई धर्मेंद्र कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। स्थानीय जनप्रतिनिधियों में मुखिया देवानंद प्रसाद शर्मा, पूर्व मुखिया अर्जुन प्रसाद, सरपंच मुन्ना कुमार एवं वार्ड सदस्य विनोद रौनियार ने भी भाग लिया। इसके बाद अहिरौलिया पंचायत में आयोजित जनता दरबार सह सहयोग शिविर में मुखिया हरिनारायण दास एवं वार्ड सदस्यों की मौजूदगी में ग्रामीणों की शिकायतें दर्ज कर संबंधित विभागों को अग्रसारित की गईं। वहीं आमोदेई पंचायत में आयोजित शिविर में मुखिया नसीबुल हक, मुहम्मद मूसा एवं अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में ग्रामीणों ने सड़क, पेयजल और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं रखीं। अधिकारियों ने सभी मामलों के शीघ्र निस्तारण का भरोसा दिया। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने कहा कि ऐसे सहयोग शिविर आगे भी नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, ताकि ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए प्रखंड या जिला मुख्यालय का चक्कर न लगाना पड़े। प्रशासन जनता की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

पताही की बेटी सुलेखा ने AIBE परीक्षा उत्तीर्ण कर रचा इतिहास, अब करेंगी वकालत

बीएनएम@ पताही

पूर्वी चंपारण के पताही प्रखंड की बेटी सुलेखा कुमारी ने ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन (AIBE) उत्तीर्ण कर कानून के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। महज 21 वर्ष की उम्र में मिली इस सफलता से उन्होंने न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे पताही प्रखंड और पूर्वी चंपारण जिले का नाम गौरवान्वित किया है। पताही प्रखंड की बखरी पंचायत अंतर्गत चंपापुर गांव के ईनरवा बारी निवासी सुलेखा कुमारी जदयू के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष राम एकबाल राउत की पौत्री एवं प्रतिष्ठित उद्यमी कमलेन्द्र कुमार कौशल की पुत्री हैं। सामाजिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले परिवार की इस होनहार बेटी ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर यह सफलता प्राप्त की है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (BCI) द्वारा आयोजित ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन (AIBE) में सफलता के बाद सुलेखा अब देश के सर्वोच्च न्यायालय सहित विभिन्न उच्च एवं अधीनस्थ न्यायालयों में अधिवक्ता के रूप में विधिक प्रैक्टिस करने के लिए पात्र हो गई हैं। इसे उनके कानूनी जीवन की महत्वपूर्ण शुरुआत माना जा रहा है। सुलेखा की सफलता से परिवार में खुशी का माहौल है। उनके दादा राम एकबाल राउत, पिता कमलेन्द्र कुमार कौशल और चाचा अमरेंद्र कुमार कौशल सहित परिजनों ने इसे परिवार के लिए गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि उनकी मेहनत और लगन ने यह सिद्ध कर दिया है कि स्पष्ट लक्ष्य और निरंतर प्रयास से हर सफलता हासिल की जा सकती है। चंपापुर गांव सहित पूरे पताही क्षेत्र में उनकी उपलब्धि पर खुशी की लहर है। शिक्षकों, समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि सुलेखा की सफलता ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। लोगों ने विश्वास जताया कि वह भविष्य में एक सफल, ईमानदार और न्यायप्रिय अधिवक्ता बनकर समाज की सेवा करेंगी तथा अपने क्षेत्र और जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेंगी।

प्रसब कक्ष में गंदी चादर और अनुपस्थित मिले प्रभारी,कार्रवाई का निर्देश

कई अनियमितताएं उजागर, एनजीओ का लाइसेंस रद्द करने की अनुशंसा

बीएनएम@ समस्तीपुर

पटोरी अनुमंडल पदाधिकारी विकास कुमार पांडेय ने मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहिउद्दीननगर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं, साफ-सफाई और चिकित्सकीय व्यवस्था में कई अनियमितताएं मिलने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई।एसडीओ ने पंजीकरण काउंटर, ओपीडी, इमरजेंसी वार्ड और प्रसव कक्ष का जायजा लिया। प्रसव वार्ड में भर्ती महिलाओं के बेड पर गंदी चादर मिलने पर उन्होंने गहरी नाराजगी जताई और साफ-सफाई का कार्य देख रही महाशिवा इंफॉर्मेशन प्राइवेट लिमिटेड का लाइसेंस रद्द करने की अनुशंसा की बात कही। जांच के दौरान एनजीओ की सुपरवाइजर उषा रानी अनुपस्थित मिलीं, और उनके स्थान पर उनके पति रंजन कुमार (जो गार्ड के पद पर हैं) कार्य करते पाए गए, जिस पर उन्होंने कड़ा रुख अपनाया। न्यूनतम मजदूरी भुगतान और पहचान पत्रों की जांच के भी निर्देश दिए गए।प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार के निरीक्षण के समय अनुपस्थित रहने पर नाराजगी जताते हुए एसडीओ ने इसकी रिपोर्ट विभाग को भेजने की बात कही। इसके अलावा, कई आशा कार्यकर्ता बिना ड्रेस कोड के पाई गईं, जिन्हें सख्त हिदायत दी गई। अस्पताल परिसर में सक्रिय बिचौलियों और निजी नर्सिंग होम से जुड़े लोगों को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि मरीजों को गुमराह करने वालों पर प्राथमिकी दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाएगी। अंत में उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

रेड रन प्रतियोगिता: राज्य स्तर के लिए 10 प्रतिभागी चयनित

बीएनएम@ समस्तीपुर

मोहनपुर में मंगलवार को जिला स्तरीय रेड रन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें जिले के 12 महाविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ बीआरबी कॉलेज के डॉ. राजेश कुमार मौर्य, आरएनएआर कॉलेज के डॉ. गंगेश कुमार, विमेंस कॉलेज की डॉ. रिंकी कुमारी, एएनडी कॉलेज पटोरी के डॉ. अमरजीत कुमार और जिला नोडल पदाधिकारी डॉ. लक्ष्मण यादव ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया।प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में जीएमआरडी कॉलेज मोहनपुर के अनिकेत कुमार ने प्रथम, कृष्ण कुमार ने द्वितीय, उमा पांडेय कॉलेज के नीतीश कुमार ने तृतीय, तथा रजनीश व रोहित ने क्रमशः चौथा और पांचवां स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में आरबीएस कॉलेज अंदौर की स्वाति कुमारी प्रथम रहीं। वहीं, जीएमआरडी कॉलेज मोहनपुर की अजनिशा कुमारी द्वितीय, पुतुल तृतीय, एएनडी कॉलेज पटोरी की काजल कुमारी चौथे और आरएनएआर कॉलेज समस्तीपुर की अंजली कुमारी पांचवें स्थान पर रहीं।चयन टीम के सदस्यों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पांच छात्र और पांच छात्राओं का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया, जो पटना में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) विधान चंद्र भारती ने सभी विजेताओं को बधाई दी और युवाओं में स्वास्थ्य जागरूकता व खेल भावना के विकास पर जोर दिया। इस दौरान सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र तथा चयनित 10 खिलाड़ियों को प्रशस्ति-पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

सहयोग शिविर में उमड़ी भीड़

बीएनएम@ पताही

राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से सोमवार को पश्चिम चम्पारण जिले की 44 ग्राम पंचायतों एवं सभी नगर निकायों में सहयोग शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में राजस्व, राशन कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, मनरेगा, भूमि विवाद, दाखिल-खारिज, कृषि और छात्रवृत्ति जैसी विभिन्न योजनाओं से जुड़े मामलों की सुनवाई की गई तथा कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन किया गया।जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने योगापट्टी प्रखंड के भवानीपुर पंचायत और नगर निगम बेतिया के वार्ड-17 स्थित शिविरों का निरीक्षण कर काउंटरों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों का समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का कड़ा निर्देश दिया।

ईसीआरईयू की केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक

बीएनएम@ पटना

निजीकरण और एनपीएस के खिलाफ आंदोलन का निर्णय

ईस्ट सेंट्रल रेलवे एम्प्लाइज यूनियन (ईसीआरईयू) की केंद्रीय कार्यसमिति की पहली बैठक पटना जंक्शन स्थित केंद्रीय कार्यालय में केंद्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार पासवान की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में रेलवे के निजीकरण, नई पेंशन योजना (एनपीएस) और चार लेबर कोड के विरोध में आंदोलन को तेज करने का बड़ा निर्णय लिया गया।सर्वसम्मति से तय हुआ कि 9 अगस्त को 'अगस्त क्रांति दिवस' के अवसर पर पूर्व मध्य रेलवे के सभी मंडलों में 'निजीकरण-एनपीएस एवं चार लेबर कोड भगाओ दिवस' मनाया जाएगा। इस दौरान सेमिनार और विरोध सभाएं आयोजित कर कर्मचारियों को जागरूक किया जाएगा। इसके साथ ही संगठन को मजबूत करने के लिए व्यापक सदस्यता अभियान चलाने का भी आह्वान किया गया।बैठक में संगठनात्मक अनुशासनहीनता और यूनियन विरोधी गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर तीन केंद्रीय पदाधिकारियों के प्रशासनिक, वित्तीय और संगठनात्मक अधिकार तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गए और उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है। कार्यक्रम की शुरुआत ईसीआरईयू के संस्थापक कॉमरेड रामनारायण ठाकुर को श्रद्धांजलि देकर हुई। इस बैठक में ऐक्टू के राष्ट्रीय सचिव रणविजय कुमार सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मानपुर के तत्कालीन सीओ पर गिरी गाज

डीएम ने भेजा आरोप पत्र

बीएनएम@ पटना

डीएम शशांक शुभंकर ने मानपुर के तत्कालीन अंचलाधिकारी सुबोध कुमार के कार्यों की समीक्षा के बाद उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा करते हुए आरोप पत्र राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, पटना को भेज दिया है। उन पर राजस्व एवं प्रशासनिक कार्यों में गंभीर अनियमितताएं, लापरवाही और सरकारी निर्देशों की अवहेलना के कई आरोप हैं।आरोप पत्र के अनुसार, तत्कालीन सीओ द्वारा ऑनलाइन-ऑफलाइन राजस्व मामलों, विशेष शिविरों और राजस्व महाअभियान के आवेदनों के निष्पादन में भारी शिथिलता बरती गई। विकास रजिस्टर-2.0 पोर्टल तथा बिहार महादलित विकास मिशन पोर्टल पर प्राप्त वास भूमि वासगीत पर्चा के 63 आवेदनों में से एक का भी निस्तारण नहीं किया गया। इसके अलावा, दाखिल-खारिज, लगान अद्यतन, परिमार्जन प्लस, सरकारी भूमि के लगान निर्धारण और बंदोबस्तधारियों को अनुचित लाभ पहुँचाने से जुड़े मामलों में भी गंभीर लापरवाही पाई गई है। डीएम ने स्पष्ट किया कि लोकसेवकों से नियमों के तहत समय-सीमा में कार्य करने की अपेक्षा है। राजस्व प्रशासन में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को पारदर्शी और समयबद्ध सेवाएं देना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

गंभीर कमियां उजागर

संक्षेप देखकर ठहर जाएं, तो मालूम होगा कि श्रम बल में भागीदारी बढ़ी है और बेरोजगारी दर घटी है। लेकिन बारीकी में जाएं, तो सकारात्मक कथानक में मौजूद कई गंभीर कमियां उजागर होने लगती हैं। दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में रोजगार की स्थिति पर राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन (एनएसओ) की ताजा रिपोर्ट चमकती हेडलाइन के लिए मसाला तो देती है, लेकिन उसके अंदर उतरते ही कड़वी हकीकतों से सामना होने लगता है। सिर्फ सार-संक्षेप देखकर ठहर जाएं, तो मालूम होगा कि श्रम बल में महिलाओं सहित कामकाजी उम्र के सभी व्यक्तियों की भागीदारी बढ़ी है और बेरोजगारी दर घटी है। लेकिन बारीकी में जाएं, तो सकारात्मक कथानक में मौजूद कई गंभीर कमियां जाहिर होने लगती हैं। मसलन, यह उत्साह से बताया गया है कि बड़े शहरों में 55 फीसदी से अधिक श्रमिक अब नियमित वेतनभोगी हैं। मगर रिपोर्ट में यह तथ्य भी मौजूद है कि इनमें बहुत बड़ा हिस्सा वैसी नियमित नौकरियों का है, जिनमें पीएफ, पेंशन, सवैतनिक अवकाश, या स्वास्थ्य बीमा जैसी सामाजिक सुरक्षाएं नहीं मिलतीं। गिग कर्मियों की बढ़ती संख्या को रोजगार वृद्धि बताया गया है, जबकि ऐसे कर्मियों को किसी तरह के श्रम अधिकार या जॉब सिक्योरिटी हासिल नहीं हैं।

महिला श्रम बल भागीदारी बढ़ कर 27.2 फीसदी होने का दावा भी विवादास्पद है, क्योंकि खुद रिपोर्ट मानती है कि कामकाजी महिलाओं का एक बड़ा हिस्सा आज भी कम या शून्य वेतन वाले घरेलू कार्यों या असंगठित मैन्युफैक्चरिंग में लगा हुआ है। महिलाओं को पुरुषों की तुलना में काफी कम वेतन मिलता है, यह स्वीकार किया गया है। बेरोजगारी दर गिर कर 4.9 प्रतिशत रह जाने की बात कही गई है, लेकिन अर्ध-रोजगार या योग्यता से कम दर्जे का काम मिलने के व्यापक चलन पर रिपोर्ट चुप है। दुर्भाग्यपूर्ण हकीकत यह है कि लाखों पोस्ट-ग्रेजुएट और इंजीनियरिंग डिग्री धारक युवा फिलहाल महानगरों में क्लर्क, डिलीवरी बॉय या डेटा एंट्री ऑपरेटर की नौकरी करने को मजबूर हैं। फिर याद रखना चाहिए कि ये रिपोर्ट मिलियन-प्लस शहरों के बारे में है। छोटे शहरों और ग्रामीण भारत की कहानी इसमें शामिल नहीं है, जहां महानगरों की तुलना में काफी कम कमाई होती है। तो एक बार फिर वही कहानी है। रोजगार के मोर्चे पर नीतिगत विफलता को छिपाने के लिए एक रिपोर्ट को इस इस तरह लिखा गया है, जिससे लोग 'फील-गुडÓ महसूस करें।

अमेरिका ने दुनिया को अपने सपनों में गूंथा

हरिशंकर व्यास

अमेरिका ढाई सौ वर्ष का हुआ। इस शुक्रवार-शनिवार उसके जश्न की कुछ झलकियां टीवी पर देखी। एक परिचित धुन कानों में पड़ी—डोंट स्टॉप बिलीविन बरसों पुराना यह गीत मेरी पचास वर्षों की स्मृतियों को खोल गया। गीत सुन मुझे ब्रूस स्प्रिंगस्टीन की आवाज़ भी याद हो आई। ब्रूस स्प्रिंगस्टीन ने बॉर्न टू रन और बाद में बॉर्न इन द यू.एस.ए. को जिस अंदाज में गया, वह गजब ही था। अचानक समझ आया कि पिछले पचास वर्षों में मैंने अमेरिका को जितना समझा, पढ़ा, और उस पर जितना लिखा उससे कहीं अधिक तो उसके गीतों की जुबानी अमेरिका की यात्रा है। संयोग है मैं पचास साल से गवाह हूं। मैं जब छोटे से कस्बे भीलवाड़ा से निकलकर दिल्ली के जेएनयू में पहुँचा था, तब मेरे भीतर भी एक दौड़ शुरू हुई थी। दुनिया को जानने की, समझने की, पढ़ने की और अपनी टूटी-फूटी हिंदी में उसे लिखनेकी। वह आपातकाल का समयथा। मेरे लिए जेएनयू की लाइब्रेरी कौतुकता के मेरे डीएनए की मानों पूर्ति थी। विदेशी पत्र-पत्रिकाएं, अखबार, विश्लेषण—जो हाथ लगा, पढ़ता था। उसी से संयोग बना और कुछ ही महिनों में मैंने वैश्विक घटनाओं पर लिखना शुरू किया। 16 दिसंबर 1976 को दैनिक हिंदुस्तान में पहला लेख छपा, वह भी अंतरराष्ट्रीय विषय पर। तब भारत में आपातकाल था। इसलिए हिंदी अखबारों को दुनिया पर लिखा चाहिए था और सुरक्षित भी था। इसलिए सोवियत संघ, अमेरिका, यूरोप और शीतयुद्ध की राजनीति मेरा शगल बनी। कुछ ही महीनों में दिल्ली प्रेस की पत्रिकाओं से लेकर राजेंद्र माथुर के नेतृत्व वाले नई दुनिया में परिक्रमा कॉलम लिखने का मेरा सिलसिला बना, पत्रकारिता की भूमिका बनी।

उन दिनों चालीस, साठ और पचहत्तर रुपए प्रति लेख मिलते थे। आवश्यकता से अधिक। नतीजतन कनॉट प्लेस की सेंट्रल न्यूज़ एजेंसी से टाइम, द इकोनॉमिस्ट, हिम्मत, ओपिनियन, क्वेस्ट जैसी पत्रिकाएं खरीदता। बगल के प्रिया और चाणक्य सिनेमाघरों में हॉलीवुड फिल्में देखता। दुनिया को पढ़ने के साथ-साथ देखने की आदत भी बनी। वह अमेरिकी राष्ट्रपति जेराल्ड फोर्ड और सोवियत नेता ब्रेजनेव का समय था। अब ट्रंप और पुतिन का है। 1975-76 का अमेरिका आज भी मेरी स्मृति में बहुत साफ़ है। सैगॉन में अमेरिकी दूतावास की छत से हेलीकॉप्टरों के उड़ान भरने की तब तस्वीरें थीं। राष्ट्रपति निक्सन और वाटरगेट कांड की गूंज थी। 1976 में अमेरिका के दो सौ वर्ष पूरे हुए। उत्सव हुआ, मगर अमेरिका में युद्ध हारने की पीड़ा थी, गहरी निराशा थी। सत्ता पर अविश्वास था और भविष्य को लेकर अनिश्चितता। उसी दौरान ब्रूस स्प्रिंगस्टीन का संभवतः पहला बड़ा गीत बॉर्न टू रन सुपरहिट हुआ। वह तब एक पीढ़ी की बेचैनी की आवाज़ था, जो कह रही थी—यहां दम घुट रहा है, कहीं निकल चलो। छोटे शहर से बाहर निकलो। सीमाएं तोड़ो। अपना भविष्य खुद बनाओ। स्प्रिंगस्टीन अमेरिकी मजदूर, छोटे शहरों और अमेरिकी सपने की प्रामाणिक आवाज़ बन गए। वह आवाज़, जो रोनाल्ड रीगन से लेकर डोनाल्ड ट्रंप की सत्ता को ठेंगा दिखाती रही है। क्योंकि उनकी आवाज़ में अमेरिकी सत्ता नहीं, बल्कि व्यक्ति और नागरिक के सपनों का अमेरिका है। वह अमेरिका, जहां व्यक्ति अपनी मेहनत और प्रतिभा से अपना भविष्य गढ़ता है। खुद अवसर खोजता है, मेहनत से अपने सपनों को साकार बनाता है।

फिर 1981 में एक गीत आया -डोंट स्टॉप बिलीविन। जर्नी बैंड के गायक स्टीव पेरी की आवाज़ के इस गीत ने 1981 अमेरिका को ऐसा बांधा कि आज भी वह सर्वाधिक लोकप्रिय है। इसकी शुरुआती पंक्तियां—एक छोटे कस्बे की लड़कीज़ और एक छोटे कस्बे का लड़काज़—सीधे अमेरिकी मानस को छू गईं। साधारण परिवार, छोटे शहर पर बड़े सपने। गीत का संदेश जो टूक यह कि —उम्मीद मत छोड़ो। विश्वास बनाए रखो। मतलब अमेरिका सपनों के लिए, विश्वास के साथ है। तब से अब तक आर्थिक मंदी हो, व्यक्तिगत संकट हो, खेल का मैदान हो या राष्ट्रीय उत्सव—अमेरिका में गीत हर जगह गाया जाता है। ढाई सौवें स्थापना दिवस के समारोह में जब हजारों अमेरिकी इसके अंतिम कोरस तक एक साथ पहुंचे, तो सचमुच लगा कि वे गीत नहीं मात्र नहीं गा रहे थे वे निज विश्वास में देश को अभिव्यक्त कर रहे हैं। अचानक मन में प्रश्न उठा। क्या दुनिया के किसी और देश में ऐसे गीत है, जिसे पूरा समाज अपने साझा सपने की तरह गाता हो? रूस, चीन, ब्रिटेन, पाकिस्तान या भारत—हर देश के पास अपने राष्ट्रगान है, देशभक्ति के गीत हैं, युद्ध के गीत हैं, क्रांति के गीत हैं। लेकिन क्या ऐसे गीत है, जो साधारण नागरिक से इतना भर कहे—सपने देखो, हार मत मानो, आगे बढ़ो, विश्वास रखों? यही अमेरिका और बाकी दुनिया के बीच का सबसे बड़ा अंतर है। अधिकांश देशों ने अपने नागरिकों को इतिहास, धर्म, राजसत्ता, जातीय गौरव या राष्ट्रीय अस्मिता के आधार पर जोड़ा या बनाया। मगर अमेरिका ने वेयक्तिक, निज सपनों से देश गढ़ा। अमेरिका में जो रहा है, जो हुआ या होगा, उसमें निज मनुष्य के सपनों की पहली भूमिका है फिर संविधान, प्रशासन, राष्ट्रपति की है। डोनाल्ड ट्रंप हों या इलॉन मस्क, कमला हैरिस हों या सुंदर पिचाई—सबकी कहानियों का आरंभ एक ही जगह से होता है—वह स्वतंत्र मनुष्य के सपने से है। इसीलिए मुझे लगता है कि अमेरिका को समझना हो तो उसके राष्ट्रपतियों से पहले उसके गीतों को सुने। साफ जाहिर होगा कि वे अमेरिका कैसे सोचता है, कैसे टूटता है, कैसे संभलता है और क्यों हर संकट के बाद भी अपने भविष्य पर विश्वास बनाए रखता है।

अमेरिका का राष्ट्रगान द स्टार स्पैंगल्ड बैनर है। इसे 1814 में फ्रांसिस स्कॉट की ने बाल्टीमोर के युद्ध के दौरान लिखा था। इसकी सबसे प्रसिद्ध पंक्ति है—ओÓअर द लैंड ऑफ द फ्री एंड द होम ऑफ द ब्रेव—यानी स्वतंत्र लोगों की भूमि और वीरों का घर। यह गीत युद्ध के बीच झंडे के बच जाने का गीत है। गणराज्य की रक्षा का गीत है। लेकिन अमेरिका और अमेरिकियों का सपना राष्ट्रगान में नहीं बसता। वह लोकप्रिय गीतों में सांस लेता है। यदि राष्ट्रगान बताता है कि अमेरिका कैसे बचा, तो उसके गीत बताते हैं कि अमेरिका किस विश्वास पर खड़ा हुआ था, खड़ा है और खड़ा रहेगा।

इसलिए अमेरिका भूगोल नहीं, बल्कि एक मानसिक अवस्था है। वह अपने नागरिकों से पहले यह नहीं पूछता कि तुम कौन हो, किस धर्म, किस जाति या किस वंश से आए हो। वह उनके सपने देखता है, सपनों को मौका देता है। इसलिए दुनिया भर के लोग ढाई सौ वर्षों से अपने सपने लेकर मुख्यतः अमेरिका की ओर ही भागे हैं। बिरले ही मनुष्य होंगे जो सपने लेकर चीन, रूस, भारत या किसी और देश में जाएं।

लोगों के लिए अमेरिका कमाई से पहले सपनों को साकार बनाने का मुकाम है। दुनिया के बाकी देश अपने को मदरलैंड, फादरलैंड या धर्मराष्ट्र कहते हैं, मगर अमेरिका अकेला ऐसा देश है, जहां सपना पहले है, बाकी सब बाद में। पहले सपना, फिर पूंजीवाद। कोलंबस जब समुद्र में निकला था, तब उसके पास कोई निश्चित नक्शा नहीं था। उसके पास केवल विश्वास था कि क्षितिज के पार कुछ नया मिलेगा। उसी खोज की मानसिकता ने बाद में पूरे अमेरिकी महाद्वीप का चरित्र गढ़ा। अमेरिका का जन्म किसी नस्ल विशेष, भाषा या धर्म से नहीं हुआ। उसका जन्म एक संभावना से हुआ जिसका संबल विश्वास था। तभी अमेरिका सबसे बड़ा निर्यात हथियार से ज्यादा पूरी पृथ्वी को सपनों की और दौड़ाने वाला देश है। अमेरिकी संविधान का मूल भाव है कि यदि तुममें प्रतिभा है, जोखिम उठाने का साहस है और मेहनत करने की इच्छा है, तो भविष्य तुम्हारा हो सकता है। यही उसका मूल सूत्र और सांस्कृतिक ताकत है। अमेरिका में राष्ट्रपति, सरकारें बदलती रहती हैं। नीतियां बदलती रहती हैं। कभी उदारवाद, कभी अनुदारवाद, कभी राष्ट्रवाद। कभी निक्सन और रीगन हैं, तो कभी ओबामा, कभी ट्रंप। लेकिन इन सबके बीच एक चीज़ लगातार है और वह यह विश्वास है कि हम कर सकते हैं, फिर महान बन सकते हैं, दुनिया का नेतृत्व कर सकते हैं और एक दिन चंद्रमा या मंगल पर भी बस सकते हैं। वेयक्तिक सपने से कोई कब अमेरिका पहुंचता है और कैसे वही एक सपना अमेरिकी स्वप्न का रॉकेट बनता है और फिर वह दुनिया से लेकर अंतरिक्ष के मिशन में खरबपति और ब्रह्मांड का खोजी बन बैठता है—इसकी कहानी केवल इलॉन मस्क की नहीं है। यह अमेरिकी सभ्यता की तासीर है। तभी वहा का संगीतकार और गायक भी दुनिया को थिरकाता हैं तो अमेरिका में विश्वास का जज्बा भी बनाए रखता हैं। अमेरिका की सांस्कृतिकता हो, उसका उपभोक्तावाद हो या उसका पूंजीवाद—सब व्यक्ति के सपनों से है। अब सपनों की यह फितरत तो होती ही कि वे सर्वभूमि गोपाल की तरह हर दिशा में फुदकते हैं। तभी अमेरिका ने दुनिया को अपने सपनों में गूंथा है। मैंने पहली बार पेरिस के डिज्नीलैंड में इट्स ए स्मॉल वर्ल्ड गीत सुना, तब गहराई से अहसास हुआ कि अमेरिका केवल सामान या हथियार नहीं बेचता, वह कल्पनाएं भी बेचता है। इट्स ए स्मॉल वर्ल्ड मनभावत, नौका यात्रा बताती है कि दुनिया छोटी है। लोग अलग-अलग दिखते हैं, लेकिन बच्चों की मुस्कान, भविष्य की आशा और मनुष्य के सपने हर जगह एक जैसे हैं। यह गीत शीतयुद्ध के दौर में बच्चों के लिए बना था, मगर तब भी वह अमेरिकी सॉफ्ट पावर का सांस्कृतिक घोषणापत्र था—दुनिया को जोड़ो, बांटो मत। डिज्नी का ही एक और मनभावन गीत है—देयर्स अ ग्रेट बिग ब्यूटीफुल टुमारो। भविष्य के प्रति अटूट विश्वास का यह संगीत और संदेश कहता है कि हर दिन के अंत में एक और बेहतर कल हमारा इंतजार कर रहा है। यही मनोविज्ञान विज्ञान, तकनीक, उद्योग और खोजों के पीछे है। भविष्य अतीत से बड़ा होगा।

गर्भपात कानूनः नाबालिगों के लिए जरूरी है संशोधन

विशेष संपादकीय

हाल के वर्षों में देश की विभिन्न अदालतों में ऐसे मामलों की बाढ़ सी आ गई है, जहां दुष्कर्म की शिकार नाबालिग लड़कियां और उनके परिजन गर्भावस्था को समाप्त करने की अनुमति के लिए न्याय का दरवाजा खटखटा रहे हैं। अक्सर इन मामलों में जब तक कानूनी औपचारिकताएं पूरी होती हैं, तब तक गर्भावस्था की कानूनी समय-सीमा (24 सप्ताह) पार हो जाती है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या हमारा 'गर्भ का चिकित्सीय समापन (संशोधन) अधिनियम, 2021' (MTP Act) नाबालिग बलात्कार पीड़िताओं के मानसिक, शारीरिक और सामाजिक आघात को पूरी तरह समझने में सक्षम है? वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए इस कानून में एक संवेदनशील और व्यावहारिक संशोधन की सख्त जरूरत महसूस हो रही है।

कानूनी पेचदगियां और पीड़िताओं का दोहरा आघात भारतीय कानून के तहत मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (MTP) अधिनियम के अनुसार, विशेष श्रेणियों (जिसमें बलात्कार पीड़िताएं और नाबालिग शामिल हैं) के लिए गर्भपात की अधिकतम सीमा 24 सप्ताह तय की गई है। 24 सप्ताह के बाद गर्भपात की अनुमति केवल तभी दी जाती है, जब भ्रूण में कोई गंभीर असामान्यता हो, और इसके लिए राज्य स्तरीय मेडिकल बोर्ड की मंजूरी अनिवार्य होती है।

लेकिन बलात्कार से पीड़ित नाबालिगों के मामले में परिस्थिति पूरी तरह भिन्न होती है। अक्सर कम उम्र और शारीरिक अज्ञानता के कारण बच्चियों को शुरुआती महीनों में गर्भावस्था का पता ही नहीं चल पाता। जब तक परिवार को इसकी भनक लगती है या डर और सामाजिक लोकलाज के कारण वे सामने आते हैं, तब तक 24 सप्ताह की अवधि बीत चुकी होती है। इसके बाद शुरू होता है अदालतों के चक्कर काटने का सिलसिला। एक तरफ जहां पीड़िता पहले से ही गंभीर यौन उत्पीड़न के सदमे से गुजर रही होती है, वहीं दूसरी तरफ हर गुजरते दिन के साथ उसके शरीर में बढ़ रहा गर्भ उसके मानसिक तनाव को कई गुना बढ़ा देता है। अदालती प्रक्रिया में लगने वाला समय अक्सर उस सीमा को और आगे बढ़ा देता है, जिससे पीड़िता एक ऐसे बच्चे को जन्म देने के लिए मजबूर हो जाती है, जो उसके साथ हुए अपराध की याद दिलाता रहता है।

मानवीय दृष्टिकोण बनाम कड़े नियम अदालतों के सामने भी इस तरह के मामलों में कानून के दायरे में रहकर फैसला सुनाने की मजबूरी होती है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट और कई उच्च न्यायालयों ने समय-समय पर असाधारण परिस्थितियों का हवाला देते हुए 24 सप्ताह के बाद भी गर्भपात की अनुमति दी है। अदालतों ने माना है कि एक नाबालिग को उसकी सहमति के बिना थोपी गई गर्भावस्था को जारी रखने के लिए मजबूर करना उसके जीने के अधिकार (अनुच्छेद 21) और मानसिक स्वास्थ्य का उल्लंघन है।

लेकिन सवाल यह है कि हर पीड़िता को न्याय के लिए अदालत का दरवाजा क्यों खटखटाना पड़े? एक लोकतांत्रिक और कल्याणकारी देश में कानून को इतना लचीला और संवेदनशील होना चाहिए कि पीड़ित को स्वतः और त्वरित राहत मिल सके। जब मेडिकल साइंस तकनीक रूप से उन्नत हो चुका है और 24 सप्ताह के बाद भी सुरक्षित गर्भपात की संभावनाएं मौजूद हैं, तो कानून की सख्त समय-सीमा किसी पीड़िता के लिए सजा नहीं बननी चाहिए।

संशोधन क्यों और कहां जरूरी है? कानूनविदों, समाजशास्त्रियों और चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि एक्ट में निम्नलिखित बिंदुओं पर तत्काल संशोधन या विशेष प्रावधान जोड़ने की आवश्यकता हैः

नाबालिग दुष्कर्म पीड़िताओं के लिए समय-सीमा में ढीलः कानून में एक विशिष्ट उप-धारा जोड़ी जानी चाहिए, जो केवल नाबालिग बलात्कार पीड़िताओं पर लागू हो। यदि मेडिकल बोर्ड यह प्रमाणित करता है कि गर्भपात से पीड़िता की जान को कोई तात्कालिक खतरा नहीं है, तो 24 सप्ताह के बाद भी बिना अदालती हस्तक्षेप के केवल मेडिकल बोर्ड की सिफारिश पर गर्भपात की अनुमति दी जानी चाहिए।

फास्ट-ट्रैक मेडिकल बोर्ड का गठनः वर्तमान में मेडिकल बोर्ड की बैठक होने, रिपोर्ट तैयार करने और उसे अदालत में सौंपने में हफ्तों का समय लग जाता है। प्रत्येक जिले या संभाग स्तर पर एक 'फास्ट-ट्रैक मेडिकल बोर्ड' होना चाहिए, जो ऐसी पीड़िताओं के मामलों की जांच 48 घंटे के भीतर पूरी कर अपनी अंतिम रिपोर्ट दे।

पॉक्सो में समन्वयः पॉक्सो कानून के तहत नाबालिग के साथ आपसी सहमति से बनाया गया संबंध भी बलात्कार की श्रेणी में आता है। कई मामलों में किशोर उम्र के प्रेम-संबंधों के कारण ठहरे गर्भ को भी कानूनी पेचदगियों का सामना करना पड़ता है। डॉक्टरों में अक्सर यह डर रहता है कि यदि वे पुलिस को सूचित किए बिना गर्भपात करते हैं, तो वे पॉक्सो के तहत फंस सकते हैं। इस डर को दूर करने के लिए डॉक्टरों को कानूनी संरक्षण देने और गोपनीयता बनाए रखने के स्पष्ट दिशा-निर्देश होने चाहिए।

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव चिकित्सकीय दृष्टिकोण से देखें तो एक नाबालिग का शरीर पूर्ण रूप से विकसित नहीं होता है। कम उम्र में गर्भावस्था और प्रसव के कारण मातृ मृत्यु दर का खतरा वयस्कों की तुलना में बहुत अधिक होता है। इसके अलावा, प्रसव के दौरान एनीमिया, समय से पहले प्रसव और गंभीर शारीरिक जटिलताओं की संभावना बनी रहती है।

मानसिक स्तर पर, यह स्थिति और भी भयावह होती है। एक बच्ची जो खुद अभी दुनिया को समझने की कोशिश कर रही है, उसे एक अजन्मे बच्चे की जिम्मेदारी और समाज के तानों का सामना करना पड़ता है। यदि उसे इस अनचाहे गर्भ से मुक्ति नहीं मिलती, तो वह आजीवन अवसाद और पोस्ट-ट्रॉमैटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर की शिकार हो सकती है। कानून का उद्देश्य न्याय देना और जीवन को सुगम बनाना है, न कि किसी को जीवनभर के मानसिक कारावास में धकेलना। सामाजिक दृष्टिकोण बदलने की आवश्यकता सिर्फ कानून बदलना ही काफी नहीं होगा, बल्कि इसके साथ सामाजिक जागरूकता भी उतनी ही जरूरी है। हमारे समाज में आज भी यौन हिंसा और अनचाहे गर्भ को एक 'कलंक' के रूप में देखा जाता है। पीड़ित परिवार समाज के डर से मामले को छिपाने का प्रयास करते हैं, जिससे इलाज और कानूनी प्रक्रिया में देरी होती है। स्कूलों में व्यापक यौन शिक्षा और सुरक्षात्मक विधिक साक्षरता की आवश्यकता है ताकि बच्चियां अपने शरीर के साथ होने वाले किसी भी गलत व्यवहार को तुरंत पहचान सकें और बिना डरे अपने माता-पिता को बता सकें।

भारत-यूनाइटेड किंगडम सीईटीए लागू हुआ

भारत-यूनाइटेड किंगडम व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। इसका उद्देश्य बाज़ार की बेहतर पहुँच, सरल व्यापार प्रक्रियाओं, सेवा क्षेत्र में व्यापक प्रतिबद्धताओं तथा पेशेवरों की अधिक सुगम आवाजाही के माध्यम से व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना है। सीईटीए व्यापार संबंधी बाधाओं को कम करके और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाकर कृषि, मत्स्य, विनिर्माण, सेवा तथा अन्य प्रमुख क्षेत्रों में नए अवसर सृजित करता है। साथ ही, यह संतुलित बाज़ार पहुँच और चरणबद्ध शुल्क उदारीकरण के माध्यम से भारत के संवेदनशील क्षेत्रों के हितों का संरक्षण भी सुनिश्चित करता है। यह समझौता डिजिटल व्यापार, नवाचार, सतत् विकास तथा दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों को और सुदृढ़ बनाने को बढ़ावा देता है। विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को सशक्त बनाते हुए यह समझौता अधिक समावेशी और भविष्य उन्मुख आर्थिक साझेदारी की मजबूत आधारशिला रखता है।

भारत-यूनाइटेड किंगडम सीईटीए : एक ऐतिहासिक व्यापार समझौता

भारत-यूनाइटेड किंगडम (यूके) व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) एक आधुनिक, व्यापक तथा ऐतिहासिक व्यापार समझौता है। इसका उद्देश्य बेहतर बाज़ार पहुँच, व्यापार उदारीकरण तथा शुल्क में रियायतों के माध्यम से भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच आर्थिक एकीकरण को और अधिक सुदृढ़ करना है। इस समझौते के तहत भारत को मुक्त व्यापार समझौते के अंतर्गत यूनाइटेड किंगडम द्वारा अब तक की सबसे महत्त्वाकांक्षी सेवा प्रतिबद्धताओं में से एक का लाभ मिलेगा। भारत के लगभग 99 प्रतिशत निर्यात को, जो व्यापार मूल्य के लगभग 100 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है, शून्य-शुल्क पहुँच प्रदान किए जाने से सीईटीए के ज़रिए भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता सुदृढ़ होने की अपेक्षा है। इस समझौते से द्विपक्षीय व्यापार का विस्तार, निवेश में वृद्धि तथा व्यवसायों के लिए नए अवसर सृजित होने की भी संभावना है। अपने आर्थिक और वाणिज्यिक महत्व से परे सीईटीए को एक समावेशी तथा भविष्य उन्मुख समझौते के रूप में तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि व्यापार के लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचें। यह केवल एक व्यापार समझौता नहीं है, बल्कि एक सुदृढ़, नवाचार-आधारित और जन-केंद्रित आर्थिक साझेदारी की आधारशिला भी रखता है। भारत-यूनाइटेड किंगडम द्विपक्षीय व्यापारः भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच एक मजबूत और विस्?तृत होती आर्थिक साझेदारी है। वर्ष 2025 में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 3.96 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि यूनाइटेड किंगडम की अर्थव्यवस्था 3.84 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की रही। यह वैश्विक व्यापार में दोनों अर्थव्यवस्थाओं के महत्व को दर्शाता है। वर्ष 2025-26 में दोनों देशों के बीच वस्तु व्यापार 25.12 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुँचा। इस अवधि में यूनाइटेड किंगडम को भारत का निर्यात 13.44 अरब अमेरिकी डॉलर तथा आयात 11.68 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जिसके परिणामस्वरूप भारत को 1.76 अरब अमेरिकी डॉलर का व्यापार अधिशेष प्राप्त हुआ। सेवाओं का व्यापार भी समान रूप से सशक्त रहा है। वर्ष 2024 में दोनों देशों के बीच कुल द्विपक्षीय सेवा व्यापार 35.44 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुँचा। इस अवधि में भारत ने यूनाइटेड किंगडम को 21.66 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य की सेवाओं का निर्यात किया तथा 13.78 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य की सेवाओं का आयात किया, जिससे भारत को सेवा व्यापार में 7.88 अरब अमेरिकी डॉलर का अधिशेष प्राप्त हुआ।

सीईटीए से प्रमुख हितधारकों को होने वाले लाभःसीईटीए को अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। साथ ही, यह समझौता ये भी सुनिश्चित करता है कि व्यापार से होने वाले लाभ व्यापक रूप से समाज के सभी वर्गों तक पहुँचें। शुल्क समाप्त कर दिए जाने से भारतीय किसानों तथा मत्स्यपालकों को यूनाइटेड किंगडम के बाज़ारों तक बेहतर पहुँच मिलने की उम्मीद है। इससे नए निर्यात अवसर सृजित होने तथा उनकी आय में वृद्धि होने की संभावना है। यह समझौता वन पर निर्भर समुदायों की आजीविका के महत्व को स्वीकार करता है। साथ ही, यह प्राकृतिक संसाधनों के उत्तरदायी प्रबंधन तथा पर्यावरणीय सहयोग को प्रोत्साहित करता है। वस्त्र, चमड़ा, फुटवियर, रत्न एवं आभूषण, हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण, ऑटो कम्?पोनेंट्स, प्लास्टिक तथा कार्बनिक रसायन जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों में निर्यात बढ़ने की संभावना है। इससे रोजगार सृजन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। यह समझौता समावेशी तथा भविष्य के लिए तैयार विकास पर विशेष बल देता है। इससे महिलाओं, युवाओं, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), व्यवसायों तथा पेशेवरों के लिए अवसरों का विस्तार होगा। इसमें महिलाओं तथा अन्य कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों की व्यापार, नवाचार और उद्यमिता में अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। साथ ही, यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त श्रम अधिकारों, स्?त्री-पुरुष समानता तथा न्यायसंगत कार्य परिस्थितियों के प्रति प्रतिबद्धता को भी सुदृढ़ करता है। यूनाइटेड किंगडम के सेवा बाज़ार तक बेहतर पहुँच, पेशेवरों की आवाजाही से संबंधित प्रावधान तथा व्यावसायिक योग्यताओं की मान्यता नए अवसर सृजित करते हैं। इन अवसरों से कुशल भारतीय पेशेवरों तथा युवा प्रतिभाओं को लाभ मिलेगा। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सरल सीमा शुल्क प्रक्रियाओं, कागज़-रहित व्यापार तथा डिजिटल प्रणालियों से लाभ होगा। ये उपाय अनुपालन लागत को कम करेंगे और बाज़ार तक पहुँच को बेहतर बनाएँगे। भारतीय एमएसएमई को यूनाइटेड किंगडम में प्रवेश करने वाले भारत के 99 प्रतिशत निर्यात पर शुल्क-मुक्त पहुँच का भी लाभ मिलेगा। इसमें वस्त्र, चमड़ा, आभूषण, फुटवियर तथा खाद्य उत्पाद शामिल हैं, जिससे शुल्क में 4 से 16 प्रतिशत तक की बचत होगी। व्यवसायों को व्यापार सुगमता से संबंधित सरल उपायों, डिजिटल सहयोग तथा वैश्विक मूल्य शृंखलाओं के साथ मजबूत एकीकरण का लाभ मिलेगा। इससे कारोबार की सुगमता में वृद्धि होगी और सतत् आर्थिक विकास को समर्थन मिलेगा। यह समझौता डिजिटल व्यापार सुगमता तथा इलेक्ट्रॉनिक प्रमाणन को भी बढ़ावा देता है। साथ ही, यह सिंगल विंडो तथा अधिकृत आर्थिक परिचालक (एईओ) जैसी स्थापित व्यवस्थाओं का भी प्रभावी उपयोग करता है। भारत-यूनाइटेड किंगडम सीईटीए का सफ़र भारत-यूनाइटेड किंगडम व्यापार समझौता दोनों देशों के बीच वर्षों तक चले निरंतर संवाद, वार्ताओं और रणनीतिक सहयोग का परिणाम है।

व्यापार से परे : भारत-यूनाइटेड किंगडम रणनीतिक साझेदारी

भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच व्यापार, निवेश, जन-से-जन संपर्क तथा रणनीतिक सहयोग पर आधारित एक मजबूत और बहुआयामी साझेदारी है। यूनाइटेड किंगडम भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश करने वाला छठा सबसे बड़ा निवेशक है। सितंबर 2024 तक उसने भारत में कुल 35 अरब अमेरिकी डॉलर का इक्विटी निवेश किया है। वहीं, मार्च 2024 तक यूनाइटेड किंगडम में भारत का कुल बाह्य निवेश 19 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। जुलाई 2025 तक यूनाइटेड किंगडम में 971 भारतीय कंपनियाँ कार्यरत हैं, जो 1 लाख से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करती हैं। वहीं, भारत में 667 ब्रिटिश कंपनियाँ कार्यरत हैं, जो 5 लाख से अधिक लोगों को रोजगार देती हैं।

आवाजाही एवं पेशेवरों का आदान-प्रदानः भारत और यूनाइटेड किंगडम ने 4 मई 2021 को प्रवासन एवं आवाजाही साझेदारी (एमएमपी) समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते का उद्देश्य कार्यरत पेशेवरों की आवाजाही को अधिक सुगम और तेज़ बनाना है, जो भारत-यूनाइटेड किंगडम आर्थिक साझेदारी का एक महत्त्वपूर्ण स्तंभ है। नवंबर 2022 में जी-20 बाली शिखर सम्मेलन के अवसर पर भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच यंग प्रोफेशनल स्कीम की घोषणा की गई। इस योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष 3,000 वीज़ा जारी किए जाते हैं।

मेष राशिः काफी समय से रुके हुए काम आज थोड़े ही प्रयास में में पूरे हो जाएंगे। जो लोग टूर एंड ट्रेवल का बिजनेस कर रहे हैं, उन्हें आज उम्मीद से अधिक फायदा होगा। आप नया वाहन खरीदने के लिये जीवनसाथी से सलाह ले सकते हैं। माता-पिता के साथ किसी तीर्थस्थल पर जाने का योग बन रहा है। बच्चे आज आउट डोर गेम खेलने की लिए जिद्द करेंगे साथ ही उनकी गतिविधि पर नजर बनाए रखें।

वृष राशि : आज का आपके लिए दिन खास रहने वाला है। जो शिक्षक हैं, वो आज छात्रों को कुछ नया सिखायेंगे। आज घर में किसी दूर के रिश्तेदार के आने की संभावना बन रही है। आज शाम का समय परिवार के साथ बीतेगा और नई टेक्नोलाजी से अपडेट होने का प्रयास करेंगे। जो लोग स्वीट्स ,कैफे आदि के बिजनेस से जुड़े हैं, उनको अच्छा मुनाफा होगा।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिये ठीक-ठाक रहेगा। आपको खुद पर ध्यान देने की जरूरत है, आज अपने गुस

युवराज ने चयन पर उठाए सवाल, यशस्वी को पर्याप्त अवसर नहीं मिलने पर जतायी चिन्ता

एजेंसी, चंडीगढ़

सीनियर खिलाड़ियों के लिए साफ रोडमैप जारी करें

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के चयन मापदंडों पर सवाल उठाये हैं। उन्होंने युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को पर्याप्त अवसर नहीं मिलने और अनुभवी खिलाड़ियों के लिए एक स्पष्ट रोडमैप की कमी को लेकर अपनी चिंताएं साझा की हैं। युवराज ने कहा कि आगामी विश्व कप से पहले टीम प्रबंधन को इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की जरुरत है। युवराज ने कहा कि वह विशेष रूप से युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल लेकर चिन्ता जतायी है। युवराज के अनुसार यशस्वी ने हाल के अपने तीन एकदिवसीय मैचों में दो शानदार शतक लगाये हैं। इसके बाद भी उन्हें खेलने का मौका नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा, यशस्वी को खेलने का मौका नहीं मिल रहा है। ऐसे में अगर विश्व कप से पहले उन्हें खेलने का पर्याप्त समय नहीं मिलता और टीम में शामिल किया जाता है तो उन पर अचानक ही दबाव बन जाएगा। पिछले महीने चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद शतक बनाने के बावजूद जायसवाल को इंग्लैंड के खिलाफ आगामी एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया था। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज की फॉर्म और टीम में उनकी जगह को लेकर अब सवाल उठ रहे हैं। इस पूर्व शानदार ऑलराउंडर ने जोर देकर कहा कि अगर जायसवाल टीम की विश्व कप योजनाओं का हिस्सा हैं, तो उन्हें बड़े टूर्नामेंट से पहले और अधिक मैच खेलने की आवश्यकता है जिससे वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव प्राप्त कर सकें और दबाव का सामना करना सीख सकें। युवराज ने 2019 विश्व कप का उदाहरण देते हुए चेतावनी दी, जहां चोट के कारण दो युवा खिलाड़ियों को बिना अधिक अनुभव के टीम में शामिल करना पड़ा था, और ऐसी पुरानी गलतियों को दोहराने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा, अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाता है, तो आप क्या करेंगे? हमने पहले भी ऐसा होते देखा है। युवराज ने अनुभवी खिलाड़ियों के प्रति प्रबंधन के दृष्टिकोण पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि प्रबंधन को अपने सीनियर खिलाड़ियों को एक साफ रोडमैप देना चाहिए, चाहे वे टीम की दीर्घकालिक योजनाओं का हिस्सा हों या न हों। युवराज का मानना है कि आदर्श रूप से, टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का एक संतुलित मिश्रण होना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर रोहित शर्मा और विराट कोहली विश्व कप के लिए आपकी योजनाओं का हिस्सा हैं, तो उन्हें अभी बताएं और उनकी जगह पक्की करें।

क्रिकेट को वैश्विक खेल बनाना है तो छोटी टीमों को बड़ी टीमों से मुकाबलों का अवसर मिले : अश्विन

एजेंसी, मुंबई भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि यदि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) क्रिकेट को वैश्विक खेल बनाना है तो उभरती हुई टीमों को नियमित अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने का अवसर मिले। अश्विन के अनुसार हाल में आईसीसी ने जिस प्रकार से टीमों की संख्या बढ़ाई है उसका तब तक फायदा नहीं मिलेगा जब तक कि इन छोटी टीमों को बड़ी टीमों के खिलाफ पर्याप्त अवसर न मिले। आईसीसी ने कुछ समय पहले ही एकदिवसीय विश्व कप और 2028 के टी-20 विश्व कप के प्रारूप में बड़े बदलावों की घोषणा की थी। नए प्रारूप के तहत साल 2027 के एकदिवसीय विश्व कप में 14 टीमें हिस्सा लेंगी और प्रतियोगिता को तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा। जिससे मुकाबलों की संख्या और प्रतिस्पर्धा दोनों बढ़ेंगी। वहीं, 2028 के टी-20 विश्व कप में भी दूसरे चरण में अधिक टीमों को शामिल करने की योजना है, ताकि टूर्नामेंट और अधिक रोमांचक बन सके। अश्विन का मानना है कि प्रतिस्पर्धा के लिहाज से यह कदम सही दिशा में है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि, यदि अंतिम लक्ष्य क्रिकेट का वैश्विक विस्तार करना है, तो उभरते देशों के लिए एक मजबूत व्यवस्था तैयार करनी होगी। इस अनुभवी स्पिनर ने सुझाव दिया कि नीदरलैंड, स्कॉटलैंड, नेपाल, अमेरिका और आयरलैंड जैसी टीमों को हर द्विपक्षीय श्रृंखला में तीसरी टीम के रूप में शामिल किया जा सकता है। उनका तर्क है कि इससे इन देशों को केवल क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, बल्कि उन्हें शीर्ष स्तर के देशों के खिलाफ नियमित अनुभव मिलेगा। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, नेपाल, स्कॉटलैंड और अमेरिका जैसी टीमों ने सीमित अवसरों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। टी-20 विश्व कप जैसे बड़े मंचों पर भी इन टीमों ने कई मजबूत देशों को कड़ी चुनौती देकर अपनी क्षमता साबित की है, जो दर्शाता है कि सही मंच मिलने पर ये टीमें क्रिकेट के स्तर को और ऊंचा उठा सकती हैं।

बांग्लादेश के कप्तान लिटन पर कार्रवाई कर सकती है बीसीबी

एजेंसी, ढ़ाका

बांग्लादेश क्रिकेट टीम के टी20 कप्तान लिटन दास की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। लिटन अपनी चीन यात्रा के कारण निशाने पर हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने उन्हें अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए तय नियमों के उल्लंघन के आरोप में अनुशासन समिति के सामने पेश होने को भी कहा है। इस क्रिकेटर पर आरोप है कि चोट से उबरने के दौरान ही वह बोर्ड को बताये बिन ही चीन यात्रा पर गये थे। लिटन को 20 जुलाई को अपनी पिंडली (काफ) की चोट की विशेष जांच के लिए सिंगापुर जाना था। इसी चोट के चलते वह हालिया जिम्बाब्वे टी20 सीरीज और आगामी लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) 2026 से भी बाहर हो गए थे। हालांकि, इन महत्वपूर्ण चिकित्सा निर्देशों और टूर्नामेंट से अनुपस्थिति के बाद वह बिना किसी पूर्व सूचना या अनुमति के चीन गये थे। केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए बोर्ड की अनुमति के बिना विदेश यात्रा करना स्पष्ट रूप से नियमों का उल्लंघन माना जाता है और बीसीबी इसे किसी भी कीमत पर सहन करने के पक्ष में नहीं है। बोर्ड अब उनके द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण और प्रस्तुत की गई मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर ही आगे का निर्णय लेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, बीसीबी के एक आंतरिक सूत्र ने इस मामले की पुष्टि करते हुए कहा, लिटन चीन गए थे, जिसे बोर्ड ने अत्यंत गंभीरता से लिया है। बोर्ड ने उन्हें बुलाकर यह जानने का प्रयास किया कि वह किसकी अनुमति से और किस उद्देश्य से चीन गए थे।

टेस्ट क्रिकेट में लारा, हेडन सहित इन बल्लेबाजों ने खेलीं हैं रिकार्ड लंबी पारियां

एजेंसी, मुम्बई। सीमिति ओवरों के मुकाबलों के बीच भी टेस्ट क्रिकेट का आकर्षण बना हुआ है। इसका कारण है कि लंबे प्रारुप में ही किसी खिलाड़ी की असली परीक्षा होती है। टेस्ट क्रिकेट इतिहास में कई ऐसी पारियां खेली गई हैं, जिन्होंने आज भी प्रशंसक याद रखते हैं। वहीं इस दौरान बने रिकार्ड अब भी कायम हैं। टेस्ट इतिहास की सबसे लंबी पारी खेलने का रिकार्ड वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा के नाम है। साल 2004 में सेंट जॉन्स के एंटीगा रिक्रिएशन ग्राउंड पर लारा ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में 400 रन बनाकर सभी को हैरान कर दिया। क्रिकेट में इससे पहले किसी भी बल्लेबाज ने इतने रन नहीं बनाये थे। लारा इस मैच में 14वें ओवर में क्रीज पर आए और फिर 582 गेंदों में 43 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 400 रन बनाकर नाबाद पेवेलियन लौटे। यह टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला अवसर था जब कोई खिलाड़ी 400 रन तक पहुंचा। इससे पहले साल 2003 में पर्थ के वाका मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 146 ओवरों तक बल्लेबाजी की और 380 रन बनाए, जिसमें 38 चौके और 11 छक्के शामिल थे। वहीं साल 2006 में कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड पर श्रीलंका के तत्कालीन कप्तान महेला जयवर्धने ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक ऐतिहासिक पारी खेली।

कुलदीप यादव को अवसर नहीं मिलने का कारण शुभमन गिल ने बताया

एजेंसी, लंदन

भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव को इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में एक भी मुकाबला खेलने का अवसर नहीं मिला। यहां तक कि लॉर्ड्स में खेले गए निर्णायक तीसरे एकदिवसीय में भी उन्हें अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली जबकि मैच के दौरान स्पिनरों को काफी सहायता मिली। इसी को लेकर कप्तान शुभमन गिल ने सफाई दी है शुभमन ने कहा कि शुरुआती दोनों एकदिवसीय में पिच से स्पिनरों को अधिक सहायता नहीं मिली। इसी कारण टीम प्रबंधन ने अतिरिक्त स्पिनर खिलाने की जगह पर तेज गेंदबाजों पर भरोसा जताया था। गिल ने कहा, पहले दो मैचों में हमने देखा कि पिच स्पिनरों के लिए ज्यादा सहायक नहीं थी। जब स्पिनर गेंदबाजी करते थे तो हमें रक्षात्मक फील्ड लगानी पड़ती थी, जबकि तेज गेंदबाजों के साथ विकेट मिलने की संभावना ज्यादा दिख रही थी। इसी कारण से कुलदीप को टीम में जगह नहीं मिली। लॉर्ड्स में हुए मैच को लेकर शुभकन ने कहा कि मुकाबला आगे बढ़ने के साथ विकेट धीमा हो गया और बाद में स्पिन गेंदबाजी ज्यादा प्रभावी साबित हो सकती थी। उन्होंने अपनी गलती मानते हुए कहा, अब देखें तो लगता है कि स्पिनर बेहतर विकल्प हो सकता था। जब हम गेंदबाजी कर रहे थे तब ऐसा नहीं लग रहा था कि विकेट इतना धीमा होगा, लेकिन दूसरी पारी में पिच काफी धीमी हो गई। भारत की यह रणनीति मैदान पर सफल नहीं रही।

बिजनेस

मिलवर्क्स टेक के शेयरों ने निवेशकों को किया मालामाल, पहले दिन ही लगभग दोगुना हुआ पैसा

एजेंसी, नई दिल्ली

एयरोस्पेस, डिफेंस, रेलवे और सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के लिए हाई-एक्यूरेसी वाले मशीनी पार्ट्स और सब असेंबली बनाने वाली प्रिसिजन इंजीनियरिंग कंपनी मिलवर्क्स टेक्नोलॉजीज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त मजबूती के साथ एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों के पैसे को लगभग दोगुना कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 331 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 628.90 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर थोड़ी देर में ही उछल कर 660.30 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 329.30 रुपये यानी 99.49 प्रतिशत का फायदा हो गया। मिलवर्क्स टेक्नोलॉजीज का 160.34 करोड़ रुपये का आईपीओ 14 से 16 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से बंपर रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 219.54 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 194.05 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 260.37 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 216.60 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 48.44 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई मशीनरी खरीदने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। मिलवर्क्स टेक्नोलॉजीज की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 1.95 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 5.25 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 37.06 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 9.40 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 22.42 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक कंपनी को 153.40 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 4.57 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 9.63 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस वित्त वर्ष के अंत तक कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 17.02 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी रॉकेट के रफ्तार से बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का नेटवर्थ 2.33 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 23.31 करोड़ रुपये हो गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक कंपनी का नेटवर्थ जोरदार उछाल के साथ 51.05 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

शुरुआती कारोबार में उतार-चढ़ाव के बीच शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में मामूली गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच मामूली गिरावट के साथ कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से बाजार की चाल में उतार-चढ़ाव होने लगा। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.11 प्रतिशत और निफ्टी 0.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट की दिग्गज कंपनियों में से टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, श्रीराम फाइनेंस, बजाज फिनसर्व और आयशर मोटर्स के शेयर 1.65 प्रतिशत से लेकर 1.02 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, एचडीएफसी बैंक, एटरनल, अदानी पोर्ट्स, सिप्ला और सन फार्मास्यूटिकल के शेयर 1.07 प्रतिशत से लेकर 0.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला मेटालिक टेक्नोफोर्ज का आईपीओ, 28 जुलाई को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की कंपनी मेटालिक टेक्नोफोर्ज का 49.96 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 23 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 24 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 27 जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 28 जुलाई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले दिन दोपहर 11:30 बजे तक ये आईपीओ 16 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 72 रुपये से लेकर 77 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 3,200 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,46,400 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 64.88 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.35 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.29 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.30 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.06 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है।

इस इश्यू के लिए स्मार्ट हॉरिजन कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं श्रेणी शेयर्स लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। मेटालिक टेक्नोफोर्जव की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 4.26 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 9.03 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 12.36 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 51.50 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 75.64 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 97.98 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 10.81 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 27.97 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 31.78 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

स्टॉक मार्केट में एसबीआई फंड्स की मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 574 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 6.27 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 610 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 6.85 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 613.30 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर 624.90 रुपये तक चढ़ गया, वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर ये टूट कर 610 रुपये के स्तर तक भी आया। सुबह 10:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के शेयर 617.80 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 43.80 रुपये यानी 7.63 प्रतिशत का फायदा हो गया है। इस कंपनी का 9,812.91 करोड़ रुपये का आईपीओ 14 से 16 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 41.73 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 140.11 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 22.51 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। वहीं रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 3.76 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसके अलावा एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन में 4.65 गुना और शेयर होल्डर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 9.52 गुना सब्सक्रिप्शन आया था।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,470 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,510 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी प्रति किलोग्राम 5,200 रुपये की तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,35,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,43,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,660 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,43,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,560 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,43,470 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,510 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड ने निवेशकों को दिया झटका, फ्लैट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

फैब्रिक की डाइंग और प्रोसेसिंग के काम में लगी अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने फ्लैट एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 105 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी उतार चढ़ाव के 105 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद हुई बिकवाली के कारण कंपनी के शेयर कुछ देर में ही गिर कर 99.75 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 5.25 रुपये यानी पांच प्रतिशत का नुकसान हो गया। कंपनी का 126.25 करोड़ रुपये का आईपीओ 14 से 16 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.40 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.09 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में भी 1.09 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.54 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1,20,24,000 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में नयी वीविंग यूनिट लगाने, पुराने कर्ज के बोझ को हल्का करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है।

सलमान समझ चुके थे कि हम दोनों के बीच कुछ खास हैं : जहीर इकबाल

अपनी निजी जिंदगी को लेकर अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल अक्सर सुर्खियों में बने रहते हैं। हाल ही में इस नवविवाहित जोड़े ने बताया कि बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान को उनके रिश्ते की भनक काफी पहले ही लग गई थी। हाल ही में सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल खास मेहमान के तौर पर एक चैट शो में पहुंचे थे। इस दौरान दोनों ने अपनी पहली मुलाकात, रिश्ते की शुरुआत और डेटिंग के शुरुआती दिनों से जुड़े कई यादगार किस्से सुनाए। बातचीत के दौरान उन्होंने इस बात का खुलासा किया कि सलमान खान उनके रिश्ते की शुरुआत से ही इस कहानी का एक अहम हिस्सा रहे हैं, क्योंकि दोनों की पहली मुलाकात सलमान खान द्वारा आयोजित एक पार्टी में हुई थी। इसी पार्टी में दोनों के बीच दोस्ती हुई और धीरे-धीरे यह दोस्ती प्यार में बदल गई। जहीर इकबाल ने शो में बताया, सलमान खान को हमारे बताने से पहले ही मेरे और सोनाक्षी के रिश्ते के बारे में पता चल गया था। वह समझ चुके थे कि हम दोनों के बीच कुछ खास है। हमारे बीच एक अलग तरह की बॉन्डिंग और केमिस्ट्री नजर आती थी, जिसे सलमान खान ने तुरंत पहचान लिया था। इस दौरान सोनाक्षी सिन्हा ने जहीर की बात का समर्थन करते हुए कहा, एक अलग तरह की वाइब (ऊर्जा) चल रही थी और सलमान इतने भी अनजान नहीं हैं। उन्होंने हमें देख लिया था। हालांकि, जब भी वह मुझसे पूछते थे तो हम दोनों इसे नकार देते थे और कहते थे कि ऐसा कुछ नहीं है, हम सिर्फ दोस्त हैं।

सोनाक्षी ने एक और दिलचस्प किस्सा साझा करते हुए बताया, एक दिन सलमान खान ने मुझसे और जहीर से बात करते हुए कहा था कि एक समय ऐसा आएगा जब दोनों का ब्रेकअप हो सकता है और उस स्थिति में दोनों ही दुखी होंगे। सलमान की यह बात सुनकर हम दोनों हैरान रह गए थे, क्योंकि उस समय तक हमने खुद अपने रिश्ते को नाम नहीं दिया था। सोनाक्षी ने एक और मजेदार घटना का जिक्र करते हुए बताया कि एक ट्रेकिंग ट्रिप के दौरान सलमान खान ने जहीर से सीधे ही कह दिया था, दिख रहा है सब। सलमान की इस छोटी सी बात से दोनों को यह अच्छी तरह समझ आ गया था कि अब उनके रिश्ते को सलमान खान से छिपाना बिल्कुल भी आसान नहीं है। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने करीब सात साल तक अपने रिश्ते को निजी रखा। साल 2022 में दोनों ने फिल्म डबल एक्सएल में एक साथ काम किया था।

रियलिटी शो दिखाते हैं कलाकारों का असली चेहरा : ईशा सिंह

बिग बॉस 18 में जानी-मानी अभिनेत्री ईशा सिंह अपनी उपस्थिति के बाद से लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। शो और अभिनय की दुनिया के बीच के मूलभूत अंतरों पर उन्होंने अपनी राय साझा की है। अभिनेत्री ईशा का मानना है कि रियलिटी शो दर्शकों को किसी कलाकार के असली स्वभाव और व्यक्तित्व को करीब से जानने का एक अनूठा अवसर प्रदान करते हैं। एक विशेष साक्षात्कार में ईशा सिंह से जब पूछा गया कि क्या रियलिटी शो किसी अभिनेता या अभिनेत्री को अधिक लोकप्रिय बनाने में मदद करते हैं, इस पर उन्होंने अपनी राय स्पष्ट करते हुए कहा, मुझे यह ठीक-ठीक नहीं पता कि इससे किसी कलाकार की लोकप्रियता कितनी बढ़ती है, लेकिन यह सच है कि दर्शकों को अपने पसंदीदा सितारों की निजी जिंदगी और उनकी असल पर्सनैलिटी के बारे में जानने में हमेशा गहरी दिलचस्पी रहती है। लोग बिहाइंड द सीन्स जैसी चीजें देखना इसलिए पसंद करते हैं, क्योंकि वे कलाकार को और अधिक व्यक्तिगत स्तर पर जानना चाहते हैं। जब कोई कलाकार किसी रियलिटी शो में आता है, तो दर्शकों को उसके असली स्वभाव, उसके दैनिक व्यवहार, उसकी पसंद-नापसंद और उसकी प्रतिक्रियाओं को समझने का अवसर मिलता है, जो उसे एक सामान्य इंसान के रूप में दिखाता है। अभिनेत्री ने अपनी बात को और स्पष्ट करने के लिए उदाहरण देते हुए कहा, दर्शक मेरे निभाए गए किरदारों जैसे जुही और सैयम को जानते हैं और उनसे भावनात्मक रूप से जुड़ते हैं, लेकिन असल जिंदगी में ईशा कैसी हैं, उनका व्यवहार कैसा है, वे किन मूल्यों को मानती हैं और वह किस तरह की इंसान हैं, यह जानने का वास्तविक मौका रियलिटी शो से ही मिलता है। रियलिटी शो में कोई स्क्रिप्टेड किरदार नहीं होता और न ही कोई अभिनय का पर्दा होता है, बल्कि वहां कलाकार पूरी तरह से अपने स्वाभाविक रूप में सामने आता है, अपनी कमजोरियों और खूबियों के साथ। ईशा सिंह ने आगे कहा, यही एक प्रमुख वजह है कि दर्शकों का कलाकारों के साथ एक अलग तरह का और अधिक व्यक्तिगत जुड़ाव बन जाता है। जानना चाहते हैं कि वह अपनी निजी जिंदगी में कैसा है, उसका रहन-सहन कैसा है।

'मुस्कुराती हैं तो खूबसूरत, वर्ना आग

'वाराणसी से सामने आया प्रियंका चोपड़ा का नया लुक; राजामौली ने दिखाई झलक

एसएस राजामौली ने दिखाई प्रियंका चोपड़ा की धांसू झलकियां, मुस्कुराए तो सादगी; रूठे तो चिंगारी एसएस राजामौली की आगामी भव्य फिल्म वाराणसी को लेकर दर्शकों के बीच भारी उत्सुकता बनी हुई है। इसी बीच फिल्ममेकर ने ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा के जन्मदिन के खास मौके पर प्रशंसकों को एक बेहद शानदार और बड़ा सरप्राइज दिया है। राजामौली ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म से प्रियंका की नई तस्वीरें साझा की हैं, जिन्होंने इंटरनेट पर आते ही तहलका मचा दिया है और फैंस देसी गर्ल के इस नए अवतार को देख बेहद उत्साहित हैं। वाराणसी में प्रियंका के किरदार का नाम मंदाकिनी है, जिसकी नई झलकियां सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। फिल्म में उनके इस दमदार किरदार की तारीफ करते हुए राजामौली ने पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा है कि जब मंदाकिनी मुस्कुराती है तो उसके चेहरे पर एक अद्भुत सादगी और नजाकत नजर आती है, लेकिन जब वो नहीं मुस्कुरातीं तो उसकी खामोशी और आंखों में एक ऐसी आग दिखती है, जो किसी भी चुनौती को भस्म कर सकती है। इससे पहले राजामौली ने एक फर्स्ट-लुक पोस्टर जारी कर प्रियंका के किरदार से पर्दा उठाया था। अब उन्होंने 2 नई तस्वीरें साझा की हैं, जो इस आगामी महागाथा में उनके शक्तिशाली अवतार की एक गहरी झलक दिखाती हैं। पहली तस्वीर में प्रियंका एक गंभीर लुक में दिख रही हैं, जहां उनके घुंघराले बाल एक जूड़े में बंधे हैं, वहीं दूसरी तस्वीर में वो एक खूबसूरत पहाड़ी पृष्ठभूमि वाले खुले मैदान में मुस्कुराते हुए छलांग लगाती हुई दिखाई दे रही हैं। आरआरआर की वैश्विक सफलता के बाद राजामौली वाराणसी लेकर आ रहे हैं, जिसके हीरो महेश बाबू हैं। इस फिल्म के जरिए प्रियंका पूरे 8 साल बाद भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। फिल्म की कहानी मशहूर लेखक विजयेंद्र प्रसाद ने लिखी है, जो पौराणिक कथाओं, भारतीय लोककथाओं और टाइम ट्रेवल जैसे साइंस-फिक्शन तत्वों का एक अनोखा मिश्रण है। ये बहुप्रतीक्षित फिल्म 7 अप्रैल, 2027 को दुनियाभर में रिलीज होने के लिए तैयार है।

'आप सरकार के आर्म ट्विस्ट नहीं कर सकते'

NEET पेपर लीक और राम मंदिर चंदा घोटाले को लेकर CJP पर बरसीं कंगना रनौत

बॉलीवुड अभिनेत्री अदा शर्मा अब फिल्म गजरा से मराठी सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। यह कदम उनके करियर में एक नया आयाम जोड़ेगा और उनकी बहुमुखी प्रतिभा को और भी सशक्त करेगा। हाल ही में अदा शर्मा ने बताया कि जब उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब उनके पिता ने उन्हें एक खास और दूरदर्शी सलाह दी थी कि उन्हें भारत की हर भाषा की फिल्म में काम करना चाहिए। यह सलाह उनके अभिनय यात्रा का मार्गदर्शक बनी है। अभिनेत्री ने अपने पिता द्वारा दी गई उस अनमोल सलाह को याद करते हुए बताया, जब मैंने अपने पिता से कहा कि मैं एक्ट्रेस बनना चाहती हूं तो उन्होंने मुझसे कहा था कि तुम्हें भारत की हर भाषा में एक फिल्म जरूर करनी चाहिए। हर राज्य की अपनी संस्कृति होती है, हर भाषा की अपनी बारीकियां होती हैं। तुम्हारे लिए हर भाषा और हर फिल्म में एक नया किरदार निभाना एक बड़ा और दिलचस्प चुनौतीपूर्ण अनुभव होगा। इस सलाह ने अदा को विभिन्न संस्कृतियों और भाषाओं के किरदारों को अपनाने के लिए प्रेरित किया, जिससे उन्हें एक कलाकार के रूप में विकसित होने का मौका मिला। अदा शर्मा ने भले ही बॉलीवुड से अपना डेब्यू किया था, लेकिन एस/ओ सत्यमूर्ति (2015) और क्षनम (2016) जैसी सफल फिल्मों से उन्होंने साउथ सिनेमा में एक सफल अभिनेत्री के रूप में अपना नाम मजबूती से स्थापित किया। उनकी अभिनय क्षमता ने उन्हें क्षेत्रीय सिनेमा में भी एक लोकप्रिय चेहरा बना दिया। जब अभिनेत्री से पूछा कि अगर गजरा सफल होती है, तो क्या वह और मराठी फिल्में करेंगी या बॉलीवुड को ही अपनी मुख्य जगह मानेंगी? इस सवाल का जवाब देते हुए अदा ने स्पष्ट किया कि वे अपने आप को एक पैन-इंडियन एक्ट्रेस के तौर पर देखती हैं। उनका मानना है कि कला की कोई भाषा या भौगोलिक सीमा नहीं होती। उन्होंने कहा, द केरला स्टोरी एक बॉलीवुड हिंदी फिल्म थी, जिसमें 60 प्रतिशत मलयालम, 10 प्रतिशत अंग्रेजी और 30 प्रतिशत टूटी-फूटी हिंदी थी। हिंदी फिल्म कमांडो में मैंने एक तेलुगु लड़की का किरदार निभाया था। अपनी पहली फिल्म में मैंने एंग्लो-इंडियन लिजा का रोल किया था। मैं किसी भी तरह का किरदार निभाने के लिए तैयार हूं। मैं चाहूंगी कि सभी भाषाओं में अपनी जगह बनाऊं। यह बयान उनकी अभिनय के प्रति समर्पण और भाषाओं की सीमाओं को तोड़ने की उनकी इच्छा को दर्शाता है। उनकी आगामी मराठी फिल्म गजरा एक रहस्यमयी फिल्म होगी, जो सच्ची घटनाओं से प्रेरित है।

अक्षय खन्ना के तेवर ने बचाई लाज, नहीं चला सनी देओल का हुकुम का इक्का

सनी देओल और अक्षय खन्ना स्टारर फिल्म 'इक्का' अब ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दर्शकों के लिए उपलब्ध हो चुकी है। अगर आप इस वीकेंड किसी कोर्ट रूम ड्रामा को देखने का मन बना रहे हैं तो इस फिल्म को अपनी वॉचलिस्ट में शामिल करने से पहले यह रिव्यू जरूर पढ़ें। शानदार और मंझे हुए कलाकारों की टोली से सजी यह फिल्म आपको कहीं-कहीं बहुत ज्यादा इमोशनल करेगी, कुछ मौकों पर अपनी कहानी में उलझाएगी, लेकिन अगर आप एक कड़क और रोंगटे खड़े कर देने वाले कोर्ट रूम ड्रामा की उम्मीद कर रहे हैं तो यह फिल्म आपको उस स्तर का पूरा मजा देने में थोड़ी नाकाम साबित होती है। आइए विस्तार से जानते हैं कि कहानी, अभिनय और निर्देशन के मोर्चे पर यह फिल्म कैसी उतरी है। फिल्म 'इक्का' की कहानी का ताना-बाना मुख्य रूप से इमोशंस, एक पिता की लाचारी और न्याय प्रणाली के इर्द-गिर्द बुना गया है। कहानी की शुरुआत में अर्जुन (सनी देओल) का एक बहुत ही शानदार और प्रभावशाली इंट्रोडक्शन दिया जाता है। अर्जुन शहर का एक बहुत बड़ा, नामी और बेहद कामयाब लॉयर है, जिसे कानूनी दुनिया में लोग 'इक्का' के नाम से जानते हैं। वह एक लॉ कॉलेज में बतौर गेस्ट लेक्चरर पहुंचता है, जहां से उसके रुतबे का अंदाजा होता है। इसी के समानांतर अर्जुन के खुशहाल परिवार से दर्शकों का परिचय कराया जाता है। उसकी पत्नी अवंतिका (दिया मिर्जा) और उसकी बेटी समारा, दोनों अर्जुन की दुनिया का केंद्र हैं। समारा एक होनहार एथलीट है और नेशनल लेवल स्विमर बनने की जी-तोड़ तैयारी कर रही है। सब कुछ बहुत सामान्य और खुशहाल चल रहा होता है, लेकिन तभी कहानी में एक मनहूस मोड़ आता है। एक अहम स्विमिंग प्रतियोगिता के दौरान अचानक समारा

की नाक से खून बहने लगता है। अस्पताल में जांच के बाद जो सच सामने आता है, वह अर्जुन और अवंतिका की दुनिया उजाड़ देता है, समारा को एक गंभीर किस्म का कैंसर है। एक तरफ अर्जुन अपनी बेटी की इस जानलेवा बीमारी की पर्सनल प्रॉब्लम से बुरी तरह टूट रहा होता है और निराशा के भंवर में गिरता जा रहा होता है, वहीं दूसरी तरफ उसके पेशेवर जीवन में एक हाई प्रोफाइल अटेम्प्ट टू मर्डर का केस आता है। अर्जुन शुरुआत में इस केस को लड़ने से साफ इनकार कर देता है। उसके इस केस को ठुकराने की वजह बिल्कुल साफ है, वह अपने उसूलों का पक्का इंसान है। अर्जुन एक ऐसा वकील है जो अपने जमीर से कभी समझौता नहीं करता और किसी भी गुनहगार को कानून के फंदे से बचाने के लिए कभी अदालत में खड़ा नहीं होता, लेकिन तकदीर और बेटी की बीमारी अर्जुन को उसी उसूल से समझौता करने पर मजबूर कर देती है। कहानी के शुरुआती हिस्से में ही एक ऐसा जबरदस्त मोड़ आता है जो दर्शकों को चौंका कर रख देगा। जिस आरोपी का केस लड़ने से अर्जुन बचना चाहता था, लेकिन वह उसी का केस लड़ने के लिए मजबूर हो जाता है। दरअसल यह हाई-प्रोफाइल आरोपी शौर्य (अक्षय खन्ना) कोई और नहीं, बल्कि समारा (अर्जुन की बेटी) का असल बायोलॉजिकल फादर है।

Hope for productive Monsoon Session PM Modi highlights India's gains ahead of Parliament proceedings

New Delhi, Agency: Prime Minister Narendra Modi Monday addressed the nation ahead of the Monsoon Session of Parliament, expressing optimism for the productive proceedings, which is most likely to be dominated by the issues of donations theft at Ayodhya Ram Mandir, NEET paper leak and the delimitation bill.

"Be it the monsoon or the Monsoon Session - if both are proactive, they prove to be highly productive. And when both are productive, it leads to the welfare of the nation and the well-being of all living beings. That is why we pray that the monsoon remains both proactive and productive, and that the monsoon session proves pro-

ductive as well," PM Modi said.

Taunting Rahul Gandhi in a veiled attack, PM Modi praised the succcessful mission of Vikram-1 orbital launch vehicle highlighting how the average age of the young Skyroot team is merely 28 years, unlike a "56-year-old youth."

"India's youth have embarked on a new journey into space. I was told that the average age of the entire team working at the 'Skyroot' startup is merely 28 years. Young people like these have accomplished this feat. I am not speaking of a 56-year-old youth," PM Modi said.

He futher said that the country has "achieved numerous milestones, a series of accomplishments that fill every citizen with pride".

"Be it on the national stage, the international arena, or now, even in space, these have truly been moments of pride for India. Just before the monsoon session last year, an Indian citizen reached the International Space Station. And just the other day, a young Indian startup achieved a monumental feat".

PM Modi said that a few countries in the world have witnessed such private enterprise," adding that "India's youth have embarked on a new journey into space. It is a tremendous success... India's global profile is gaining universal recognition and acceptance. This is no coincidence; it is a message, a powerful message that the potential and aspirations of our country's youth are as boundless as space itself."

PM Modi fruther expressed concern over the West Asia war, sayaing that it posed a major crisis for countries like India that rely on others for energy.

Net services remain suspended in J&K's Doda 3 days after man's death in police firing

JAMMU, Agency: Three days after a 30-year-old man was shot dead in police firing, triggering protests by locals, internet services continued to remain suspended across Doda district of J&K for the third consecutive day on Sunday, disrupting communication, online transactions and other services.

Officials have not yet issued any statement regarding the restoration of internet services.

Locals complained that students, remote workers and job seekers are struggling with the internet shutdown, besides tourists as they can't make online payments through apps.

Sources claimed the internet speed on mobile and the broadband as well has also been restricted in Kishtwar amid the heightened security in the region.

On July 16, a police team

attempted to stop suspicious individuals in the Jai Valley area on suspicions of cattle smuggling. During the interception, a scuffle broke out and there was an alleged attempt to snatch an officer's weapon, following which another member of the patrol party opened fire, killing 30-year-old Arif Hussain and injuring three other SOG personnel.Following the death of Arif, an autorickshaw driver, protests erupted in Bhaderwah town of Doda district and surrounding areas.

41 crops picked for genome-editing to boost climate-resilient farming

New Delhi, Agency: Taking forward the Centre's push towards climate-resilient farming, the Indian Council of Agricultural Research (ICAR) is working on genome-editing of around 40 crop varieties across 34 of its research institutes to improve yields and soil health.

Unlike genetically modified crops, which introduce foreign genes, genome editing (SDN-1 and SDN-2) makes targeted changes within a plant's native genome. This approach precisely alters plant DNA to develop climate-resilient, high-yielding and disease-resistant varieties, bypassing the slower timelines of traditional breeding.

Of the 41 diverse crops chosen for this technological intervention, 24 are field crops and 17 are horticultural crops. The goal is to develop climate-resilient and nutrient-rich varieties to ensure India's food security by 2047.

The initiative covers a wide range of essential crops, including pulses, wheat, bananas, tomatoes, cotton, soybean and rice.

"Plant breeding is a non-stop process. There is nothing called a perfect variety, as factors affecting its quality and performance keep changing.

Bill seeks 3-year jail for disturbing rendition of 'Vande Mataram

New Delhi, Agency: Anyone who prevents or disrupts the singing of Vande Mataram, which must now be sung in full at all state events and civil investiture ceremonies, could face up to three years in jail, a fine, or both under a Bill the govt plans to introduce in Parliament's Monsoon session starting Monday. The Prevention of Insults to National Honour (Amendment) Bill, 2026,

proposes to amend Section 3 of the relevant Act, which at present deals only with insults to the National Anthem, to add the national song to its ambit. "Whoever, intentionally, prevents the singing of the national anthem or the national song; or causes disturbance to any assembly engaged in such singing, shall be punishable with imprisonment for a term which may extend to three years, or with fine, or with both," states Section 3 of the proposed bill. Where a person has already been convicted, every subsequent offence shall be punishable with a minimum jail term of one year. The statement of objects and reasons for 2026 amendment bill cites the Jan 24, 1950, meeting of the Constituent Assembly, where its president Rajendra Prasad had stated that Vande Mataram, "which played a historic role in the Indian freedom struggle, shall be honoured equally with 'Jana-Gana-Mana' and shall have equal status with it".

We intend to work with PM Modi

Kakoli Ghosh Dastidar announces entry into NDA with 20 Mamata rebels

New Delhi, Agency: Once a Mamata loyalist and now an NCPI leader after rebelling against the Mamata Banerjee-led Trinamool Congress, Kakoli Ghosh Dastidar on Sunday announced that she would join the ruling NDA in the Lok Sabha ahead of Monsoon Session. She said 20 former TMC MPs, who have formed a separate parliamentary group under the NCPI, would also join the PM Modi-led alliance in the Lower House.

She said the group intends to work with the NDA under the leadership of Prime Minister Narendra Modi and Union home minister Amit Shah.

The announcement marks a significant step in the Mamata rebels' realignment amid the continuing exodus from the TMC following its

crushing defeat to the BJP in the West Bengal assembly elections in May.

Addressing the media, Kakoli said the group had decided to back the NDA and work under the leadership of Prime Minister Narendra Modi and Union home minister Amit Shah.

"We, 20 AITC MPs, are joining the NDA alliance. Leaving AITC, we align ourselves with NCPI... we intend to work with the NDA, supporting the initiatives of PM Modi and our Home Minister Amit Shah and be involved in their work of nation-building. We stated in the all-party meeting that we would work together. There are 8 women among our group of 20, and we will stand by the government on whatever issues they take up," she said.

Speaking about the NCPI parliamentary party meeting, Kakoli said the group's focus would be on constructive participation during the Monsoon Session.

"There will be discussions and debates on 5-6 bills... Everyone should debate, but we shouldn't waste the House's time, as that causes significant loss to the country and the public. In the interest of the nation and for the progress of the people, we will debate the upcoming issues, whether they concern taxes or the registration of births and deaths, but we will ensure the House functions smoothly.

Anaemia alcohol major risk factors behind brain clots finds ICMR study

New Delhi, Agency: Anaemia and alcohol consumption have emerged among the leading risk factors of cerebral venous thrombosis (CVT), in contrast to Western studies where hormonal and genetic factors such as abnormal clotting of blood predominate, said an Indian Council of Medical Research-National Institute of Non-communicable Disease Epidemiology (ICMR-NINE).

The CVT is a type of stroke that occurs due to a blood clot inside veins that drains blood from the brain.

Of the 34,792 stroke cases registered in the hospital-based stroke registry (HBSR) from January 2020 to December 2022, 575 (1.6

per cent) cases were diagnosed with CVT and were included in the study.

A majority of these patients -- 72.4 per cent -- were between the age of 18-44. Males constituted 60 per cent of the study population, while females accounted for 40 per cent; while 59.8 per cent of the patients were from rural areas. The incidence of CVT-related stroke among men has further shown an increasing trend in recent years.

Order independent probe into Ram Temple finances Mallikarjun Kharge Rahul Gandhi write to PM

New Delhi, Agency: Ahead of the monsoon session of Parliament, Leader of Opposition (LoP) in Lok Sabha Rahul Gandhi and LoP in Rajya Sabha Mallikarjun Kharge have written to Prime Minister Narendra Modi for an independent probe into the financial affairs of the Shri Ram Janmabhoomi Teerth Kshetra Trust.

The duo also demanded that the findings and the Trust's accounts should be made public so that every devotee knows how their offerings have been utilised.

In the letter, jointly written by Kharge and Gandhi, they called Modi's "silence" over the theft of Ram Mandir donations "unacceptable" and former temple general secretary Champat Rai a "disgrace".

Ahead of the monsoon session, they urged the PM to "immediately order an independent and comprehensive investigation into the financial affairs of the Trust, including the handling of all offerings including cash, gold and silver".

The letter, which was posted by Kharge on his social media handle on Sunday, read, "You are aware of the theft of thousands of

crores in the Shri Ram Janmabhoomi Teerth Kshetra Trust. Lakhs of devotees who donated their hard-earned money with faith, devotion and trust are feeling betrayed by the theft."

"You announced the formation of the Trust in Parliament on the directions of the Supreme Court, but its members have been solely appointed by your government. It is public knowledge that the members of the Trust are affiliated with the RSS, VHP and its affiliates," the leaders added.

Sharing the letter on X, Congress general secretary Jairam Ramesh also urged the PM to break his silence on the issue. "It is only appropriate that the two LoPs have written to the PM on the "Chanda chori, astha dhoka" involving the Shree Ram Janmabhoomi Teertha Kshetra Trust in Ayodhya.

'People's safety our highest priority Assam govt requests Army

New Delhi, Agency: With parts of Assam continuing to reel under floods, chief minister Himanta Biswa Sarma on Sunday said the state government has requested the Army and the Air Force to remain on standby to assist in evacuating people from flood-hit districts. Sarma added that he has instructed four cabinet colleagues to rush to Upper Assam to

oversee rescue and relief efforts in the three districts hit by the latest wave of floods. As the flood situation in Sivasagar, Charaideo and Jorhat continues to worsen, the Government of Assam has requested the Indian Army and the Indian Air Force to be on standby to support evacuation and rescue operations, if required," he posted.

14 killed many missing as flash floods landslides ravage J&K's Poonch Rajouri

Jammu, Agency: : Torrential rain unleashed flash floods and landslides in Pir Panjal region of J&K's Poonch and Rajouri districts Sunday, killing at least 14 people, leaving several missing and burying homes under walls of water, rock and mud that barrelled down mountain slopes. Officials said the toll could rise as rescuers searched for those trapped beneath debris. CM Omar Abdullah cut short his stay in New Delhi and flew to Jammu to oversee relief operations after heavy rain

triggered widespread devastation in the two border districts. Police, Army, SDRF, civil administration and local volunteers fanned out across worst-hit Surankote, Haveli and Mandi in Poonch, while LG Manoj Sinha reviewed rescue efforts and directed immediate relief for affected families.v Heavy rain disrupted traffic on strategic Jammu-Srinagar NH-44, prompting authorities to urge commuters to avoid vulnerable stretches. Annual Amarnath Yatra, which began July 3, and pilgrimages to Vaishno Devi shrine in Katra and Shiv Khori in Reasi were temporarily suspended after IMD forecast adverse weather for the next three days.